डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 10.06.2024 से 16.06.2024 वर्ष-41 अंक-24 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल गौरव दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल के गौरव दिवस के अवसर पर नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1949 में 1 जून को भोपाल रियासत का विलीनीकरण हुआ था। विलीनीकरण आंदोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों, बलिदानियों के कारण ही भोपाल को उज्ज्वल भविष्य प्राप्त हो सका। इन सभी का योगदान अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल ने विकास के अनेक आयाम देखे हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी के विकास में सभी वर्गों ने सहयोग दिया है। स्वच्छता और हरियाली भोपाल की पहचान बनी है। भोपाल को भारत की श्रेष्ठ राजधानियों में शामिल करना राज्य सरकार का उद्देश्य भी है। इस दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम भी उठाए गए हैं। हम सभी संकल्पित होकर भोपाल की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं प्रगति के प्रयासों में पूर्ण सहभागी होंगे।

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों का फोरम ने किया निराकरण

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए वृत्त कार्यालय सीहोर में 6 जून को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की जनसुनवाई का आयोजन किया गया। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम द्वारा इस जनसुनवाई में सीहोर वृत्त अंतर्गत आने वाले विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126, 135 तथा 138 को छोड़कर शेष शिकायतें जैसे विद्युत बिल से संबंधित, मीटर से संबंधित, नवीन कनेक्शन में विलंब, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, वोल्टेज से संबंधित, लोड शेडिंग/अधिसूचित विद्युत कटौती, सुरक्षा निधि पर ब्याज अदायगी इत्यादि शिकायतों की सुनवाई की गई तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण भी किया गया।

मदरसा बोर्ड के 7 कर्मचारी संविदा सेवा से किये गए मुक्त

भोपाल, मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड ने 7 कर्मचारियों को संविदा सेवा से मुक्त कर दिया है। सचिव मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड एवं संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी अनुसार माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार 7 कर्मचारियों को संविदा सेवा से मुक्त कर दिया गया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस पर झिरी बहेड़ा से किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर प्रदेश को मिली केन-बेतवा लिंक और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना की सौगात

- **गंगा दशहरा 16 जून तक चलेगा अभियान**
- **अभियान के अंतर्गत 3 हजार 90 करोड़ की लागत से होंगे जल संरक्षण के 990 कार्य**

भोपाल, भारतीय संस्कृति में माना गया है कि पृथ्वी, पर्वत, नदी, पेड़-पौधों में जीवंतता है और वे हमारे लिए पूज्यनीय हैं। जिस प्रकार मानव देह में धमनियों के माध्यम से रक्त का संचार होता है उसी प्रकार नदियां पृथ्वी पर जीवन का संचार करती हैं। अत: हम सबके लिए नदियों का अक्षुण्ण निरंतर प्रवाह आवश्यक है। नदियों के प्रवाह को दूषित करना या उनमें अवरोध उत्पन्न करना जीवन में अवरोध उत्पन्न करने के समान है। इस दृष्टि से जल स्रोतों का संरक्षण मानव जीवन के लिए आवश्यक है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रायसेन जिले के झिरी बहेड़ा स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल पर आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेतवा नदी के उद्गम स्थल की पूजा-अर्चना की तथा बरगद का पौधा रोपकर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान का समापन 16 जून को गंगा दशहरे के अवसर पर उज्जैन में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेतवा नदी के उद्गम स्थल झिरी बहेड़ा में "जल गंगा संवर्धन अभियान" का शुभारंभ किया।

जनभागीदारी से गतिविधियां संचालित होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए। इसीलिए पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं। पौधों में प्राण होते हैं इसको सिद्ध करने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने कहा था कि भारतीय संस्कृति पौधों को जीवंत मानती है। इस अभियान के अंतर्गत 3 हजार 90 करोड़ रुपए की लागत के 990 कार्य आरंभ हो रहे हैं। प्रत्येक जिले, विकासखंड और पंचायत स्तर पर जल संरचनाओं की मरम्मत, पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के लिए जनभागीदारी से गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने अभियान आरंभ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार मानते हुए कहा कि यह आवश्यक है कि अभियान को रस्म अदायगी न माना जाए। हम सभी जल स्रोतों को सहेजने, उनकी साफ-सफाई और उनके आस-पास वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां जनभागीदारी से सुनिश्चित करें।

नदी जोड़ो अभियान से लाभान्वित करने पर प्रधानमंत्री का आभार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नदियों के संरक्षण के लिए नमामि गंगे अभियान आरंभ किया। इसी प्रकार उनकी पहल पर केन-बेतवा-लिंक परियोजना के लिए 45 हजार करोड़ रुपये मध्यप्रदेश को तथा 45 हजार करोड़ रुपये उत्तरप्रदेश को उपलब्ध करवाए गए। नदी जोड़ो अभियान की इस महत्वपूर्ण पहल से बुंदेलखंड का संपूर्ण क्षेत्र सिंचित होगा और क्षेत्रवासियों की पेयजल संबंधी समस्या का भी समाधान होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राजस्थान के साथ पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो अभियान के लिए मध्यप्रदेश में 35 हजार करोड़ और राजस्थान में 35 हजार करोड़ रुपये से गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस पहल के लिए हम सब उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश में कई नदियों के उद्गम स्थल हैं जो जीवन के स्रोत के समान महत्वपूर्ण हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नदियों के उद्गम स्थलों के संरक्षण के लिए कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के प्रति जनजागृति और जल सम्मेलन जैसी गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

लोकसभा निर्वाचन - 2024

मध्यप्रदेश के सभी 29 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मध्यप्रदेश के सभी 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के निर्वाचन परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में चार चरणों में लोकसभा चुनाव हुए। इनमें पहला चरण 19 अप्रैल, दूसरा चरण 26 अप्रैल, तीसरा चरण 7 मई और चौथे चरण का मतदान 13 मई को संपन्न हुआ। निर्वाचन परिणाम की जानकारी इस प्रकार है:-

क्र.	क्षेत्र का नाम	विजेता अभ्यर्थी	प्राप्त वोट	जीत का अंतर
1.	मुरैना	श्री शिवमंगल सिंह तोमर	5,15,477	52,530
2.	भिण्ड (अजा)	श्रीमती संध्या राय	5,37,065	64,840
3.	ग्वालियर	श्री भारत सिंह कुशवाहा	6,71,535	70,210
4.	गुना	श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया	9,23,302	5,40,929
5.	सागर	डॉ. लता वानखेड़े	7,87,979	4,71,222
6.	टीकमगढ़ (अजा)	डॉ. वीरेन्द्र कुमार	7,15,050	4,03,312
7.	दमोह	श्री राहुल सिंह लोधी	7,09,768	4,06,426
8.	खजुराहो	श्री विष्णु दत्त शर्मा	7,72,774	5,41,229
9.	सतना	श्री गणेश सिंह	4,59,728	84,949
10.	रीवा	श्री जनार्दन मिश्रा	4,77,459	1,93,374
11.	सीधी	डॉ. राजेश मिश्रा	5,83,559	2,06,416
12.	शहडोल	श्रीमती हिमाद्री सिंह	7,11,143	3,97,340
13.	जबलपुर	श्री आशीष दुबे	7,90,133	4,86,674
14.	मंडला	श्री फग्गन सिंह कुलस्ते	7,51,375	1,03,846
15.	बालाघाट	श्रीमती भारती पारधी	7,12,660	1,74,512
16.	छिंदवाड़ा	श्री बंटी विवेक साहू	6,44,738	1,13,618
17.	होशंगाबाद	श्री दर्शन सिंह चौधरी	8,12,147	4,31,696
18.	विदिशा	श्री शिवराज सिंह चौहान	11,16,460	8,21,408
19.	भोपाल	श्री आलोक शर्मा	9,81,109	5,01,499
20.	राजगढ़	श्री रोडमल नागर	7,58,743	1,46,089
21.	देवास (अजा)	श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी	9,28,941	4,25,225
22.	उज्जैन (अजा)	श्री अनिल फिरोजिया	8,36,104	3,75,860
23.	मंदसौर	श्री सुधीर गुप्ता	9,45,761	5,00,655
24.	रतलाम (अजजा)	श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान	7,95,863	2,07,232
25.	धार (अजजा)	श्रीमती सावित्री ठाकुर	7,94,449	2,18,665
26.	इंदौर	श्री शंकर ललवानी	12,26,751	11,75,092
27.	खरगोन (अजजा)	श्री गजेन्द्र सिंह पटेल	8,19,863	1,35,018
28.	खंडवा	श्री ज्ञानेश्वर पाटिल	8,62,679	2,69,971
29.	बैतूल (अजजा)	श्री दुर्गादास उईके	8,48,236	3,79,761

राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन

भोपाल, राज्य शासन ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, ऊर्जा, वित्त, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड को सदस्य बनाया गया है। अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा सदस्य सचिव होंगे। साथ ही चेयरमैन, स्टेट लैवल बैंकर्स कमेटी, सह सदस्य सचिव होंगे।

समिति द्वारा योजना के सभी घटकों के अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा की जायेगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच आवश्यक समन्वय, सभी सरकारी भवनों को रूफटॉप सोलर से संतृप्त करने की कार्ययोजना तैयार करना। कार्य योजना के कार्यान्वयन की निगरानी और पर्यवेक्षण करना। विशेष रूप से सरकार की अन्य योजनाओं के लाभार्थियों में, रूफटॉप सोलर के लिए जागरूकता, क्षमता निर्माण और योजना क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना शामिल है।

1 जून

केन्द्रीय कर्मचारियों की ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख रुपये हुई

● केन्द्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये

से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। यह बदलाव एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगा। सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की दर 50 फीसदी तक पहुंचने पर ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि का प्रावधान है। इस वृद्धि के बाद पेंशन/ग्रेच्युटी/पारिवारिक पेंशन/विकलांगता पेंशन तथा अनुग्रह एकमुश्त के समायोजन को विनियमित करने वाले प्रावधान लागू किए जाते हैं।

● संयुक्त राष्ट्र इराक में चल रहे राजनीतिक मिशन को 20 साल बाद बंद करने जा रहा है। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 31 मई को सर्वसम्मति से फैसला लिया कि इराक में यूएन 2025 के आखिर में यानी 31 दिसंबर 2025 को देश छोड़ देगा। परिषद को लिखे एक पत्र में, इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने इराक के लिए संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमआई) को बंद करने का आह्वान किया था।

● दक्षिण अफ्रीका में ऐतिहासिक चुनाव परिणाम में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को संसद में बहुमत नहीं मिला। दक्षिण अफ्रीका को रंगभेद से मुक्त कराने वाली नेल्सन मंडेला की एएनसी पार्टी ने 30 साल में पहली बार बहुमत गंवा दिया। संसदीय चुनाव में एएनसी को सिर्फ 40 प्रतिशत वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक एलायंस को 21 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की पार्टी न्यू एमके पार्टी को 14 प्रतिशत मत मिले हैं। हालांकि, अब भी एएनसी सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेगी। लेकिन, सरकार में बने रहने और राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को फिर से चुनने के लिए गठबंधन करना होगा।

2 जून

मालदीव में शुरू होगा भारत का रुपे कार्ड सिस्टम

● भारत के साथ बिगड़ते संबंध के बीच मालदीव ने एक बड़ा कदम लेने का फैसला

CBIC
CENTRAL BOARD OF INDIRECT TAXES AND CUSTOMS

किया है। मोहम्मद मुइज्जू की सरकार ने फैसला लिया है कि वे जल्द ही अपने देश में भारत का रुपे कार्ड सिस्टम शुरू करेंगे। इससे मालदीव की मुद्रा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद ने भारत के रुपे सेवा शुरू किये जाने की घोषणा की। हालांकि उन्होंने रुपे सेवा शुरू किये जाने के लिए किसी तारीख की घोषणा नहीं की।

● भारी बारिश के कारण जर्मनी के दक्षिणी इलाकों में आई भयावह बाढ़ के कारण 600 से ज्यादा लोगों को विस्थापित होना पड़ा। जर्मनी में कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण डोनाऊ, नेकर और गुएन्ज समेत कई नदियों में जलस्तर बढ़ गया है, जिससे तटीय शहरों और कस्बों में व्यापक बाढ़ आ गई है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि कई इलाकों में जलस्तर एक सदी में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अधिकारियों के अनुसार, बवेरिया के दस जिलों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, और न्युबर्ग- श्रोबेनहौसेन जिले के 670 से अधिक निवासियों को निकाला जा रहा है।

● सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने स्पष्ट किया है कि टैक्स डिमांड जारी होने के 3 महीने के अंदर वसूली अब सिर्फ विशेष मामलों ही होगी। इसके लिए भी सक्षम अधिकारी की मंजूरी लेनी होगी। अब तक जीएसटी अधिकारी खुद निर्णय कर तीन महीने खत्म होने से पहले वसूली शुरू कर देते थे। ऐसे कुछ मामले पर हाल में कोर्ट के निर्णय आए थे। इसके बाद सीबीआईसी ने निर्देश दिए हैं कि डिप्टी/असिस्टेंट कमिश्नर को प्रारंभिक वसूली के प्रस्ताव के साथ प्रिंसिपल कमिश्नर या कमिश्नर को कारण प्रस्तुत करना होगा।

3 जून

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चीन के अंतरिक्ष यान की सफल लैंडिंग

● चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने घोषणा की है कि उसका अंतरिक्ष यान- चांग'ई-6 चंद्रमा के अज्ञात

CNSA

सुदूर भाग, दक्षिणी ध्रुव-ऐटकेन बेसिन पर सफलतापूर्वक उतर गया है। चांग'ई-6 को 3 मई को वेनचांग स्पेस लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया था। चीन चंद्रमा के अंधेरे वाले हिस्से में दूसरी बार अपना यान उतारने वाला पहला देश बन गया है, इससे पहले चीन ने 2019 में चांग'ई-4 को उतारा था। इस मिशन का लक्ष्य इस क्षेत्र से दुर्लभ चट्टान और मिट्टी इकट्ठा करना है। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जॉन पर्नेट-फिशर (चंद्र भूविज्ञान के विशेषज्ञ) ने कहा कि 'सभी बहुत उत्साहित हैं कि हमें ऐसी चट्टानें देखने को मिलेंगी जिन्हें पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा।

● ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद ईरान में नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 28 जून को मतदान होने वाला है और कट्टरपंथी पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवार के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। महमूद अहमदीनेजाद ईरान के तेजतर्रार नेता माने जाते रहे हैं और उनकी राजनीति में वापसी ऐसे समय में हुई है, जब ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को हथियार देने और इजराइल हमास युद्ध के बीच ईरान की भूमिका को लेकर ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

4 जून

विज्ञापनों से 100 फीसदी फल के जूस का दावा हटाएं कंपनियां : एफएसएसएआई

● खाद्य उत्पादक कंपनियां अपने विज्ञापनों में डिब्बाबंद जूस को 100 फीसदी फलों का रस होने का दावा नहीं कर सकेंगी।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने इस संबंध में सभी खाद्य व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों को निर्देश दिए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। इस तरह के दावे भ्रामक हैं, खासतौर पर उन स्थितियों में जहां फलों के रस का मुख्य घटक पानी है और फल के रस का सीमित मात्रा में उपयोग किया जाता है।

● श्रीलंका में मूसलाधार बारिश की वजह से अचानक कई शहरों में बाढ़ आ गई। तेज बारिश की वजह के कारण भूस्खलन होने से हालात खराब हो गए हैं। यहां कई क्षेत्रों में बिजली भी गिरी और भूस्खलन हुआ। बारिश की वजह से कई जिले बुरी तरह प्रभावित हुए। घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ की वजह से स्कूल भी बंद कर दिए गए।

● पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में पोलियो टीकाकरण टीम को फिर निशाना बनाया गया है। प्रांत के चमन शहर में धरना समिति के सदस्यों ने टीम और सुरक्षा के लिए तैनात कर्मियों पर लाठियां बरसाईं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि धरना समिति के सदस्यों ने चमन में पोलियो टीकाकरण टीम पर लाठियों से हमला किया। इस हमले में चार कर्मचारी घायल हो गए। इन कर्मचारियों को पोलियो विरोधी अभियान के दौरान टीम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया गया था। हमलावरों ने पुलिस और कर्मियों से वैक्सीन और हथियार छीनने की कोशिश की।

5 जून

नीट-यूजी 2024 का परिणाम घोषित

● नीट यूजी 2024 का परिणाम चौंकाने वाला रहा। इस बार सबसे अधिक हाई स्कोरिंग रिजल्ट रहा है। राजस्थान में सबसे

अधिक 11 छात्रों को 100 प्रतिशत अंक मिले। तमिलनाडु से आठ और महाराष्ट्र के सात छात्रों ने उपलब्धि हासिल की। पूरे अंक पाने वालों में 67 स्टूडेंट्स में 14 लड़कियां हैं। नीट देने वाले 23.33 लाख स्टूडेंट्स में से 13.16 लाख छात्रों ने काउंसलिंग के लिए क्वालिफाई किया। पिछले साल की तुलना में नीट देने वाले 38.46 प्रतिशत छात्र बढ़े हैं। छात्रों के क्वालिफाई करने के हिसाब से राजस्थान तीसरे नंबर पर रहा। यूपी पहले और महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर रहा। राजस्थान से 1.21 लाख छात्र काउंसलिंग में हिस्सा लेंगे।

● दुनियाभर में पाई जाने वाली आम लाल, काली या भूरी चींटियों से अलग, पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश के यिंगकू गांव में एक अनोखी नीली चींटी की खोज की गई है। यह नई प्रजाति दुर्लभ वंश पैरापैरात्रेचिना से संबंधित है और इसका नाम पैरापैरात्रेचिना नीला रखा गया है। शोधकर्ताओं द्वारा शोध के हवाले से बताया कि यिंगकू गांव में मवेशियों के लिए बनी एक खड़ी पगडंडी पर लगभग 10 फीट ऊपर एक पेड़ के छेद में कुछ चमकता हुआ दिखाई दिया, जो कि चींटियां थीं।

6 जून

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली शामिल

● विश्व की लोकप्रिय क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में देश के दिग्गज तकनीकी संस्थानों आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली को शीर्ष 150 की सूची में शामिल किया गया है। वहीं, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने 13वीं बार विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली ने पिछली बार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। जहां आईआईटी बॉम्बे पिछले साल के 149वें स्थान से 31 रैंक ऊपर चढ़कर 118वें स्थान पर पहुंच गया है, वहीं आईआईटी दिल्ली ने अपनी रैंक में 47 अंकों का सुधार करते हुए वैश्विक स्तर पर 150वां स्थान हासिल किया है।

● ताइवान में नए राष्ट्रपति लाई चिंग के शपथ लेने के बाद 15 दिन में दूसरी बार चीन की सेना ने ताइवान क्षेत्र में घुसपैठ की है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि 5 जून को 26 चीनी लड़ाकू विमान और 10 युद्धपोत ताइवान की सीमा के आसपास दिखाई दिए। ताइवान ने चीन की इस हरकत को उकसावे वाली कार्रवाई बताया और जवाब में अपने लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों को भेजा है।

● इजराइल और हमास के युद्ध में गाजा में सैन्य कार्रवाई पर अमेरिकी सांसदों का समर्थन प्राप्त करने के लिए इजराइल ने गुप्त अभियान चलाया है। इसमें फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स और एआई तकनीक का उपयोग किया गया। इस गुप्त अभियान के तहत सैकड़ों फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स बनाए गए जो खुद को अमेरिकियों के रूप में पेश कर रहे थे। इन अकाउंट्स ने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रो-इजरायल संदेश पोस्ट करने के लिए मुख्य रूप से ब्लैक और डेमोक्रेटिक सांसदों को टारगेट किया। इस काम को करने के लिए तेल अवीव की एक राजनीतिक मार्केटिंग फर्म, स्टोइक को यह जिम्मा दिया गया। इसके अलावा, अंग्रेजी भाषा की 3 फर्जी न्यूज़ साइट्स भी बनाई गईं, जो इजरायल समर्थक लेख दिखाती थीं।

7 जून

माउंट एवरेस्ट की 19,685 फीट की ऊंचाई पर पहली वार पहुंचा ड्रोन

● विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर 19,685 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की पहली ड्रोन डिलीवरी पूरी हुई है। ड्रोन 33 पाउंड (15 किलोग्राम) सामान ले जाने में सक्षम था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की कंपनी डीजेआई के फ्लाईकार्ट 30 ड्रोन के जरिए 3 ऑक्सीजन की बोतलें और तीन पाउंड (1.5 किलोग्राम) अन्य आपूर्ति ले जाई गई। डीजेआई की सीनियर कॉर्पोरेट स्ट्रैटजी डायरेक्टर क्रिस्टीना झांग ने कहा कि अप्रैल के अंत से, हमारी टीम ने एवरेस्ट पर सफाई प्रयासों को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाने में मदद करने के लिए एक अभूतपूर्व प्रयास शुरू किया है।

● यूरोपियन यूनियन के 720 सांसदों के चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यूरोपीय यूनियन के 27 देशों में कुल 37 करोड़ 30 लाख रजिस्टर्ड वोटर जो हैं वो इस चुनाव के लिए 6 जून से 9 जून तक वोट डालेंगे। आस्ट्रिया, इस्टोनिया, फ्रांस, इटली, लिथुआनिया, स्वीडेन जैसे तमाम यूरोपीयन देशों में वोटिंग होगी। ये चुनाव हर पांच साल में होता है। इसके चार दिनों तक होने के पीछे की वजह ये है कि अलग अलग ईयू देश अपने तौर तरीक़े से मतदान का आयोजन करते हैं। कई देश में ये एक ही दिन में पूरा हो जाता है। कई देश इसके लिए एक से अधिक दिन लेते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

APPOINTMENTS

SHRI UMIYA KANYA MAHAVIDYALAYA
Run by Shri Ambika Patidar Samaj Dharmik Evam Parmarthik Trust
Affiliated to DAVV, Indore & Recognised by DHE, Bhopal, Govt of MP
(NAAC Accredited "B" Grade College), B.Ed. - Recognised By NCTE (WRC), BBA, BCA (AICTE)
Umiya Dham, RangwasaRau, Indore. 9926500234, 9179625998
Email : principal.sukm@gmail.com,
FACULTY REQUIRED FOR
B.Ed & Science, Commerce, Arts, Managment & BCA
(Under college code 28)

HOD-1, Assistant Professor–Perspectives in Education-3, Pedagogy Subjects-6 (Mathematics, Commerce, language, Science and Social Science) Health and Physical Education–1, Fine Art-1, Library-1,

Botany-1, Microbiology-2, Biotechnology-1 Computer-3, Computer Science-3, Management-5, Political Science-1, Commerce-3, Zoology-2, Chemistry-2, Hindi-1, English-1, Sociology-1, Diploma in fashion designing-1

neelsun

Appointment shall be done as per NCTE/UGC Norms and College Code 28.
Ph.D, Net/Slet qualified and female candidate will be given first priority.
Interested candidate may apply at mail within 10 days along with application, CV and self attested copies of all testimonials.

Principal

R-49655/2024

वर्ष 41, अंक 24 10.06.2024 से 16.06.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

रिकॉर्ड आमजनों की सहभागिता के साथ संपन्न हुई 18वीं लोकसभा चुनाव के गठन की प्रक्रिया

18वीं लोकसभा चुनाव के गठन के लिये हुए आम चुनाव का परिणाम जारी हो गया है। 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान शुरू हुआ तथा 7 चरणों के साथ आम चुनाव 2024 के लिए मतदान की प्रक्रिया एक जून को संपन्न हुई। 543 सीटों के लिये हुए मतदान में एनडीए को 292, इंडिया गठबंधन को 204, तृणमूल कांग्रेस को 29 और अन्य को 18 सीटें प्राप्त हुई हैं। सात चरणों में हुए इन चुनावों में सफलता की अनगिनत कहानियां सामने आई हैं। पहले चरण में मतदान शुरू होने के बाद से ही देश भर के मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनके विश्वास और भरोसे की जानकारी मिली। महिलाओं, युवाओं, पीवीटीजी, थर्ड जेंडर, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों और आयु समूहों के मतदाताओं ने चुनाव के पर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन चुनावों में महिलाओं की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पांचवे और छठवे चरण में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। लोकसभा चुनावों के इतिहास में पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर शुरू की गई घर से मतदान की सुविधा ने लोकतंत्र को उन लोगों के घरों तक पहुंचा दिया, जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं। 85 वर्ष से अधिक आयु के अनेक मतदाताओं और 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता वाले लोगों ने अपने घर से मतदान करने का विकल्प चुना। जम्मू और कश्मीर में 58.58 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछले 35 वर्षों में सबसे अधिक है। कश्मीर घाटी में 51.05 प्रतिशत मतदान हुआ, जो घाटी में हुए 3 संसदीय क्षेत्रों में पिछले चुनावों की तुलना में 30 अंकों से ज़्यादा की भारी वृद्धि है। यह उपलब्धि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता और निष्पक्षता का प्रमाण है और मतदाताओं द्वारा मतपत्र की शक्ति में व्यक्त किए गए भरोसे की पुष्टि करती है। यह पहला अवसर है जब लोकतंत्र के इस उत्सव में बड़ी संख्या में आमजन ने अपनी सहभागिता दी। चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस बार रिकॉर्ड 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। किसी भी देश में चुनाव की सफलता का श्रेय चुनाव आयोग को जाता है। क्योंकि चुनाव आयोग ही मतदान से जुड़ी तमाम तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए इस पूरी प्रक्रिया को सफल बनाता है। चुनाव परिणाम के एक दिन पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने इस पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि इस चुनाव में 642 मिलियन मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। यह सभी जी7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपियन यूनियन के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है। मतदान प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग के कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि देश में ऐसे कई स्थान थे जहां लोगों को मतदान करना नहीं आता था। लेकिन हमने उनके मतदान की महत्ता को समझते हुए देशभर में 26 स्पेशल पोलिंग स्टेशन बनाए और उन्हें मतदान करना सिखाया। लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता में मिली शिकायतों का उल्लेख करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा 495 शिकायतों में से 90 प्रतिशत से अधिक का निपटारा किया गया। यही नहीं आदर्श आचार संहिता के दौरान जनकल्याण से जुड़े कार्य रुक जाने की स्थिति में चुनाव आयोग द्वारा कई प्रमुख परियोजनाओं के आवेदनों को 48 घंटे के भीतर स्वीकृति प्रदान की गई। लोकसभा चुनाव के दौरान कैश, गिफ्ट, नशे की चीजें और शराब समेत 10,000 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती की गई। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए करीब 4 लाख गाड़ियों, 135 स्पेशल ट्रेनों और 1692 उड़ानों का इस्तेमाल किया गया।

वैज्ञानिकों का दावा जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय के क्षेत्रों में जलमग्न की संभावना

जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण बारिश में वृद्धि की संभावना के बीच हिमालय क्षेत्र की कई झीलों में पानी भर सकता है। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों के समूह ने विगत दिनों एक शोध किया जिसमें कहा गया है कि सदी के अंत तक, किंघई-तिब्बत पठार में कुछ झीलों का सतही क्षेत्रफल 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। पठार में झीलों के जल की मात्रा में 600 बिलियन टन से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है। शोध में सामने आये परिणामों के अनुसार तिब्बती पठार पर मौजूद एंडोर्फिक झीलों का सतही क्षेत्र 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा और 2020 की तुलना में जल स्तर लगभग 10 मीटर बढ़ सकता है। एंडोर्फिक झील उन झील को कहा जाता है जिसमें जल संग्रह होता है और पानी बाहर की ओर नहीं बहता जिससे इनमें साल भर पानी रहता है। चीन, वेल्स, सऊदी अरब, अमेरिका और फ्रांस के वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले 50 वर्षों में जल भंडारण में जितनी वृद्धि हुई है, उसकी तुलना में यह चार गुना अधिक होगी। अध्ययन के अनुसार अगर इस स्थिति से निपटने की कोशिश नहीं की गई तो, एक हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क, करीब 500 बस्तियां और 10 हजार वर्ग किलोमीटर की पारिस्थितिकी जैसे घास के मैदान, दलदल और खेत जलमग्न हो जाएंगे। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों के अनुसार झीलों का आकार बढ़ने और ग्लेशियरों के पिघलने का असर भारत सहित पड़ोसी देशों पर भी हो सकता है। उसका सबसे बड़ा कारण है कि ब्रह्मपुत्र सहित भारत में बहने वाली कई बड़ी नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत है। क्विंगहई-तिब्बत के पठार को एशिया का जल स्तंभ कहा जाता है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा पठार है और इसमें एक हजार से अधिक झील हैं जिनमें जल का विशाल भंडार है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

लोकसभा चुनाव परिणाम

एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत : विपक्ष भी मजबूत

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव परिणाम आ गये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को तीसरी बार पूर्ण बहुमत मिला है। इस गठबंधन ने कुल 292 सीटें जीतीं। इसमें सर्वाधिक 240 सीटें भाजपा ने जीती हैं। विपक्षी गठबंधन INDIA ने कुल 233 सीटें जीतीं इसमें कांग्रेस को 99 सीटें मिलीं। 18 सीटें अन्य के खाते में गईं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला है और वह लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। लोकसभा में लगातार तीन बार बहुमत लेने का रिकॉर्ड अब तक देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम था। उन्होंने 1952, 1957 और 1962 में लगातार तीन चुनाव जीतकर सरकार बनाई थी। उनके बाद इस रिकॉर्ड की बराबरी श्री नरेन्द्र मोदी ने की है। उनके नेतृत्व में एनडीए गठबंधन ने पहली बार 2014 में पूर्ण बहुमत लेकर सरकार बनाई थी। दूसरी सफलता 2019 में मिली और अब यह तीसरी सफलता है। पिछले दो चुनावों की तुलना में एक अंतर अवश्य आया है। एनडीए गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी की वर्ष 2014 और 2019 की तुलना में सीटों की संख्या घटी है। पिछली बार भाजपा की 303 सीटें मिलाकर गठबंधन को कुल 353 सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन को 292 सीटें मिली हैं। इसमें सबसे बड़े दल भाजपा को 240 सीटें। इस प्रकार गठबंधन को पिछली बार की तुलना में 61 सीटों का नुकसान है। वर्ष 2019 की तुलना में भाजपा को मिली सीटों में भले गिरावट रही हो पर प्राप्त मत प्रतिशत में अधिक अंतर नहीं आया है। विपक्षी गठबंधन INDIA में सबसे बड़े दल के रूप में कांग्रेस उभरी। कांग्रेस को कुल 99 सीटें मिलीं जो पिछली बार की तुलना में 47 अधिक हैं।

भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरे सबसे बड़े दल के रूप में समाजवादी पार्टी उभरी है। समाजवादी पार्टी को 37 सीटें मिलीं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को 29 सीटें, तमिलनाडु में डीएमके को 22 सीटें, आन्ध्रप्रदेश में टीडीपी को 16 सीटें, बिहार में जेडीयू को 12 सीटें, महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी गुट को 09 सीटें, एनसीपी शरद पवार गुट को 08 सीटें, शिवसेना शिंदे गुट को 07 सीटें मिली हैं। इनके अतिरिक्त लोक जनशक्ति पार्टी को 05 सीटें, वाईएसआरसीपी-04, राष्ट्रीय जनता दल को 04 सीटें, कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी को 04 और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को 03 सीटें, पंजाब में आम आदमी पार्टी को 03 सीटें, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 03 सीटें मिली हैं। इनके अतिरिक्त देश में जनसेना पार्टी को 02, सीपीआई एमएल को 02, वीसीके को 02, जेडीएस को 02, सीपीआई को 02, आरएलडी को 02, जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस को 02, के अतिरिक्त यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, असम गण परिषद, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा, केरला कांग्रेस, आरएसपी, एनसीपी, वाइस ऑफ पीपुल्स पार्टी, जोरम पीपुल्स मूवमेंट, शिरोमणि अकाली दल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, एमडीएमके, आजाद समाज पार्टी, अपना दल सोनेलाल गुट, एजेएसयू पार्टी, एआईएमआईएम को एक-एक सीट मिली हैं। सात सीटें निर्दलीयों के खाते में गई हैं।

सर्वाधिक सक्रियता प्रधानमंत्री की

यह पूरा चुनाव प्रधानमंत्री श्री मोदी के नाम पर लड़ा गया। सत्तारूढ भाजपा और एनडीए गठबंधन ने अपने घोषणापत्र के साथ नारा दिया था "मोदी की गारंटी"। वहीं कांग्रेस और विपक्ष INDIA गठबंधन ने अपने घोषणापत्र में किये गये वायदों के साथ पूरा हमला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर बोला। पूरे चुनाव अभियान में सर्वाधिक सक्रियता प्रधानमंत्री की रही। उन्होंने पूरे भारत में किसी भी पार्टी के किसी अन्य नेता की तुलना में सबसे अधिक सभाएँ और रैलियां कीं। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उस दिन दक्षिण भारत में थे। उन्होंने वहीं से चुनाव प्रचार आरंभ किया और अपने प्रचार अभियान का समापन तीस मई को पंजाब के होशियारपुर में किया। उन्होंने कुल 206 जनसभाएं और रोड शो किए। इस लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में इतनी सभाएं और रोड शो किसी भी पार्टी के किसी नेता ने नहीं किये। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे और उनके प्रचार अभियान का परिणाम ही है कि भाजपा और उसके दलों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ा है। लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा और आन्ध्रप्रदेश विधानसभा के चुनाव भी हुये। 147 सदस्यीय ओडिशा विधानसभा में भाजपा ने कुल 78 सीटें जीती हैं। यह सरकार बनाने के लिये आवश्यक 74 सीटों से चार अधिक हैं। इस प्रकार भाजपा ओडिशा में सरकार बनाने जा रही है। आन्ध्रप्रदेश में भाजपा ने चन्द्रबाबू नायडू के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। यहाँ इस गठबंधन को बहुमत मिला। भाजपा ने आन्ध्रप्रदेश में लोकसभा की तीन और विधानसभा में आठ सीटें जीती हैं। इसके साथ केरल में भी भाजपा ने और एक सीट पर जीत दर्ज करके अपना प्रभाव बनाया। केरल में भाजपा को पहली बार सफलता मिली है। तमिलनाडु में भाजपा को कोई सीट तो नहीं मिली लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ा है। इस बार तेलंगाना में भाजपा ने आठ सीटे जीतीं जबकि पिछली बार यह संख्या कम थी। दक्षिण भारत में भाजपा का प्रभाव बढ़ने का सबसे बड़ा कारण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सक्रियता के साथ उनके द्वारा दक्षिण भारत के राज्यों के विकास पर जोर देना भी है। उन्होंने इसी वर्ष केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में कई परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण अथवा शिलान्यास किया था। यह राज्यों की विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संदेश है। दक्षिण भारत के प्रांतों में अपनी शक्ति बढ़ाने के साथ भाजपा ने दिल्ली, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, त्रिपुरा और मध्यप्रदेश में क्लीन स्विप किया है। इन प्रांतों में सभी लोकसभा सीटें भाजपा ने जीतीं। वहीं गुजरात और छत्तीसगढ़ प्रांतों में कांग्रेस को केवल एक-एक सीट ही मिल सकी है। शेष सभी सीटें भाजपा ने जीतीं।

विपक्ष की रणनीति

परिणाम में इस उलटफेर के लिये विपक्ष की रणनीति बहुत कारगर मानी गई। विपक्ष ने तीन प्रकार की रणनीति पर काम लिया। विपक्ष ने INDIA गठबंधन तो बनाया पर जहाँ मतदाता को प्रभावित करने के लिए आवश्यक समझा, वहां वे एक दूसरे के विरुद्ध भी बोले। इसे आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और केरल में लेफ्ट पार्टियों के बयानों से समझा जा सकता है और जहाँ आवश्यक हुआ वहां एक साथ खड़े भी हो गये। इसे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सभाओं से समझा जा सकता है। इससे भाजपा या एनडीए विरोधी वोट का विभाजन रुका। इसके साथ विपक्ष ने अपने प्रचार अभियान में दो बातों पर जोर दिया था। एक तो आरक्षण के बहाने जातिगत मुद्दा उछाला और दूसरे संविधान बचाने का आह्वान किया। राम मंदिर मुद्दे पर देश में भावनात्मक एकत्व का भाव देखा गया।

भाजपा अपनी स्थापना से राम मंदिर पर खुलकर बात करती रही है। यह माना जाता है कि राम मंदिर निर्माण से भारत में आई भावनात्मक जाग्रति का लाभ भाजपा को मिलेगा। इस एकत्व भाव को मजबूत करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" नारा दिया। उन्होंने जातिगत विषयों से ऊपर उठकर समरस समाज रचना पर जोर दिया और कहा था कि वर्ग केवल चार होना चाहिए गरीब, युवा, महिला और किसान। प्रधानमंत्री का मानना था कि इस वर्गीकरण के आधार पर विकास योजनाएँ बननी चाहिए। विपक्ष ने इस सामाजिक एकत्व में सेंध लगाने के लिये ही जातिगत और ओबीसी आरक्षण के मुद्दे का जमकर प्रचार किया। परिणामों में इसकी झलक भी है।

एनडीए गठबंधन ने जितनी ताकत से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को आगे किया, विपक्ष ने उसी शैली में प्रधानमंत्री पर हमले किये। विपक्ष के INDIA गठबंधन में आन्तरिक मतभेद के बावजूद प्रधानमंत्री के विरोध के लिये सबका स्वर एक था। प्रधानमंत्री के विरुद्ध कही गई किसी भी बात पर सब मिलकर हमला बोलते थे।

मतदान और चुनाव प्रक्रिया का भी कीर्तिमान

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये चुनाव प्रक्रिया का भी कीर्तिमान बना। 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हुई थी और चार जून को परिणाम आये। इस प्रकार यह चुनाव अभियान कुल अस्सी दिन चला। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। कुल सात चरणों में मतदान हुआ। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को और अंतिम सातवें चरण का मतदान 1 जून को हुआ।

इस चुनाव में छोटे-बड़े कई राजनैतिक दल मैदान में आये और 543 लोकसभा सीटों के लिये कुल 8360 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./6516/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 04.06.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 291/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable :- SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.**

1. Table No. 1 :- Name of Work – Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Anuppur	1	3931562.00
2	Ashoknagar	1	12923213.00
3	Alirajpur	2	16530812.00
4	Balaghat	3	49102516.00
5	Barwani	2	39999868.00
6	Burhanpur	1	11011459.00
7	Chhindwara	1	36729456.00
8	Dhar	9	70707021.00
9	Dindori	1	23362558.00
10	Guna	1	30646112.00
11	Indore	1	2723554.00
12	Jhabua	3	56910883.00
13	Khandwa	1	16731977.00
14	Mandsaur	1	18303047.00
15	Narsinghpur	2	15785811.00
16	Neemuch	1	19645335.00
17	Panna	2	18428554.00
18	Raisen	4	55566494.00
19	Ratlam	4	43026662.00
20	Rewa	1	5035548.00
21	Satna	4	52757750.00
22	Sehore	5	139296352.00
23	Seoni	3	41633984.00
24	Singrauli	7	37198664.00
25	Ujjain	1	1829256.00

2. Table No. 2 :- Name of Work– Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Alirajpur	1	5435244.00
2	Barwani	1	16895218.00
3	Harda	1	5495027.00
4	Jhabua	3	27303203.00
5	Khandwa	2	9409579.00
6	Narsinghpur	1	7975638.00
7	Ratlam	1	10075439.00
8	Satna	2	13960928.00
9	Sehore	1	7232204.00
10	Shahdol	2	33115873.00
11	Shivpuri	2	36223093.00
12	Ujjain	2	41062274.00

3. Table No. 3 :- Name of Work – Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Betul	1	8257160.00
2	Bhind	1	17359314.00
3	Indore	1	2909403.90
4	Jhabua	1	1483153.00
5	Raisen	2	3314667.00
6	Rajgarh	1	5313885.00
7	Satna	3	26735900.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **07.06.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/114687/2024 R-49650/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./6905/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 07.06.24

NOTICE INVITING TENDER No. 1186 (PM-JANMAN) (Batch-I, Year-2023-24)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:

- **Name of Work :-** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Guna	1	1	0.70	4365820.00
2	Narsinghpur	3	3	19.50	122646080.00
3	Sidhi	1	2	4.56	31595940.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **10.06.2024 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **25.06.2024 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/114737/2024

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49661/2024

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल

चयन भवन, मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट)
भोपाल-462011, दूरभाष क्रमांक: 0755-2578801, 02

विषय विशेषज्ञों की आवश्यकता

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रवेश/भर्ती/पात्रता परीक्षाओं के लिए विभिन्न विषयों के विषय विशेषज्ञों से निम्न सेवा शर्तों के अधीन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

2. सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी/स्टेट यूनिवर्सिटी शासकीय/अर्द्धशासकीय/शासकीय सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के नियमित शैक्षणिक अधिकारी (एच.ओ.डी./प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/असिस्टेन्ट प्रोफेसर) या शासकीय विभागों के नियमित अधिकारी मंडल के विषय विशेषज्ञों की सूची में शामिल होने हेतु आवेदन कर सकते हैं।

विषय विशेषज्ञों को संबंधित विषय में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव हो। आवेदन पत्र का प्रारूप म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल की वेबसाइट, **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। मण्डल द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं हेतु आमंत्रित विषय-विशेषज्ञों को मण्डल के नियमानुसार मानदेय देय होगा।

विषय विशेषज्ञ अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में नियंत्रक, म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल को, आवेदन भरने की **अंतिम तिथि के 08.07.2024 तक** प्रेषित किया जा सकता है।

विज्ञापन क्रमांक 25/2024

म.प्र. माध्यम/114729/2024 R-49659/2024 **संचालक**

DIRECTOR RESEARCH SERVICES

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR-474002 (M.P.)

(IPRO/DRS/2023-24/480 Date : 06/06/2024

WALK IN INTERVIEW

The Office of Director Research Service, RVSKVV, Gwalior invite application for walk in interview of **YP II** position on 25th June 2024 under **ICAR-NASF** Project entitled **"Enhancing Abiotic Stress Tolerance in wheat and Pearl Millet : Insights from Integrated Epigenetic, Physiological and Molecular Interventions"** on contractual basis for the period of two years or till termination of the project. Please refer RVSKVV website **www.rvskvv.net** for more details and application form.

DRS
RVSKVV, Gwalior

R-49652/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./6532/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 04.06.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1185 (PMGSY-Road-B.W.)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work : Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Chhindwara	1	76814000.00
2.	Shahdol	1	53385000.00
3.	Waidhan	1	29049000.00

1. Bid document may be purchase Online from **05.06.2024 (17:30 hrs.)** and last date for Online Bid Submission is **27.06.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/114690/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49651/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./6902/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 07.06.24

NOTICE INVITING TENDER No. 292/MTN/2024 (Flood Damage-SR)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work :-** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dewas	1	851579.00
2	Indore	1	5619468.00
3	Vidisha	1	3359802.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/114733/2024

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49660/2024

POONAMCHAND GUPTA VOCATIONAL COLLEGE

Affiliated to DAVV University, Indore

Applicants invited for the post of

PRINCIPAL

Eligibility as per norms of UGC, AICTE & MP Govt.
(College Code-28) Interested Candidates Apply with Certificates and testimonials regarding educational qualification .

President - Poonamchand Gupta Vocational College
P.O. Box No. 34, Civil Lines, Khandwa (M.P.) 450 001
Tele. No. 0733-2227625, 9425085025
Email. - principal.pcgvc@gmail.com

R-49656/2024

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से नहीं होना चाहिए कोई समझौता

भोपाल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने पिपलानी क्षेत्र में सुन्दर नगर बस्ती में निर्माणाधीन रोड की गुणवत्ता ठीक नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की और निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री श्रीमती गौर कार्यालय में गोविंदपुरा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा कर रही थीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण एजेंसियाँ कार्य को समय-सीमा में पूरा करें। साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। समीक्षा के दौरान पिपलानी वार्ड 67 के पार्षद द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में सुन्दर नगर बस्ती में निर्माणाधीन रोड की गुणवत्ता ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ रोड बनाने के निर्देश दिये।

Computer Proficiency Certification Test

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited

Exam Registration Opens

MPSEDC/CPCT/Exam/2024/

म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/ नियमित** नियुक्तियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/ कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 12 –13 & 14 जुलाई 2024 **पंजीयन तिथि : 10 जून 2024 से 24 जून 2024**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 26 जून 2024 से 28 जून 2024

● CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी। ● CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं। ● CPCT नियम पुस्तिका में निःशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है। ● CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल **(www.cpct.mp.gov.in)** पर उपलब्ध है। ● मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। ● अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कंप्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है। ● CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा निर्देशों के अनुसार किया जायेगा। परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011

म.प्र. माध्यम/114755/2024

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है

R-49663/2024

RAI SAHEB BHANWAR SINGH COLLEGE

NAAC B++

Rala, Nasrullaganj, District Sehore, M.P. - 466331 Phone No.: 09425651620

(Recognized by M.P. Govt. & Affiliated to Barkatullah University, Bhopal)

Assistant Professors in below given Subjects under College Code-28 of the university.

REQUIRES

Subject	Post	Subject	Post	Subject	Post
Principal	01	Accounts	01	Management	02
Hindi Literature	02	Biotechnology	02	Botany	01
Mathematics	02	Political Science	01	Economic	01
B.Lib	02	F.C. English	01	Computer	02
Sociology	01	Chemistry	01	-	-

Vikalp ad.

Qualification and Salary as per norms

Residential facility optional, Apply to the PRINCIPAL with Photocopy of all Necessary Mark sheets within 15 Days to the above given address or by E-mail rsbcollege@yahoo.in.

R-49654/2024

SANSKAR COLLEGE

Affiliated to DAVV & Recognized by Govt. of M.P.

Running M.Com. , M.S.W. , B.J.M.C. , BBA, BCA, B.Com. , B.Sc., B.A. , B.A. (Journalism & Mass Communication) PGDCA

Requires (under College Code-28)

Principal-01, Professors, Associate Professors, Asst. Professors

Commerce - (06)	Zoology - (01)	Computer Science - (06)
Chemistry - (01)	Hindi - (04)	Political Science - (04)
Physics - (02)	English - (04)	Socialogy - (04)
Biotechnology - (01)	Mathematics - (01)	History - (04)
Botany - (01)	Social Work - (04)	Economics - (04)
Seed Technology - (01)	Mass Communication - (02)	Management - (04)
Office Assistant - (01)	Librarian- (01)	Sports Officer- (01)

Lab Technician (biology, Zoology, Botany, Chemistry, Computer & Physics)

Mehta

Qualification And Experience As Per Ugc Norms, Salary As Per Norms

Apply within 10 days with full details and attested copies & testimonial send to college address and by Email.

Office : 500/1 Dhar Road, Opp. Ramkrishna Bagh, Indore- 452002 (M.P.) Ph. : 7400740067- 68- 69

E-mail : principalofsanskar@gmail.com

R-49657/2024

सेवा एवं शिक्षा के स्वर्णिम इतिहास के साथ 101वें वर्ष में...

Shri Gujarati Samaj Indore

1, Nasia Road, Indore Ph. 0731-2706468, 2703447

P.M.B. Gujarati Science College

Affiliated to DAVV, Indore

1, Nasia Road, Indore Phone : 0731-2703207

e-mail : pmbgscience@gmail.com

REQUIRES (Under College Code-28)

ASSISTANT PROFESSOR

(Biotechnology)

M.Sc. with Ph.D. / NET / SET

Qualification : As per UGC / DAVV norms.

Salary : As per Shri Gujarati Samaj norms.

Application completed in all respect with full details along with all necessary documents, should reach the College Office within 7 days from the date of publication of this advertisement during office hours (11.00am to 4.00pm) Incomplete applications will not be considered.

Pankajbhai Sanghvi — Hon. General Secretary

Amitbhai Dave — Chairman - E.B. (College)

Jayendrabhai Patel — Chairman - Governing Body

Dr. Kiran Dixit — Principal

VIGILANCE

R-49653/2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड, खुरई जिला सागर (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक (07581)-240050, E-mail : eephedkhurai@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदायें ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल पर खण्ड खुरई जिला सागर में निम्नलिखित कार्यों हेतु आमंत्रित की जाती हैं :-

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 1. Removal of Ordinary and chocked fallen line and submersible motor pump of hand pump from T.W. in villages of Block Khurai, Bina and Malthone.

निविदा क्र./ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	निविदा की लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
01/ 06.06.24	2024/PHED_ 348863_1	खुरई	13.78	27560/-	2000	90 दिवस	नवीन केंद्रीकृत पंजीयन प्रणाली

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 2. Removal of Ordinary and chocked fallen line and submersible motor pump of hand pump from T.W. in villages of Block Rahatgarh and jaisinagar.

02/ 06.06.24	2024/PHED_ 348864_1	राहतगढ़	09.19	18380/-	2000	90 दिवस	--तदैव--

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 3. Drilling of 24 Nos. 15 mm dia ordinary tubewells 90 Mtr. Deep and installation of Hand Pump set with Resistivity Survey in Habitation for creation of Tubewell I/c all allied works in Block Khurai.

03/ 06.06.24	2024/PHED_ 348865_1	खुरई	19.30	38600/-	2000	90 दिवस	--तदैव--

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 4. Drilling of 24 Nos 150 mm dia ordinary tubewells 90 Mtr Deep and installation of Hand Pump set with Resistivity Survey in Habitation for creation of Tubewell I/c all allied works in Block Bina.

04/ 06.06.24	2024/PHED_ 348866_1	बीना	19.30	38600/-	2000	90 दिवस	--तदैव--

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 5. Retrofitting of PWSS under JJM with Providing, laying, jointing and construction of Public Water Supply Scheme under Jal Jeevan Mission at village Bichhua Block Jaisinagar Distt. Sagar

05/ 06.06.24	2024/PHED_ 348867_1	जैसीनगर	14.96	29920	2000	90 दिवस	--तदैव--

स.क्र. एवं ग्राम का नाम :– 6. Retrofitting of PWSS under JJM with Construction of R.C.C. OHT and R.C.C. Sump well (As per BOQ) including all allied work at Village Peepra of Block Rahatgarh.

06/ 06.06.24	2024/PHED_ 348868_1	राहतगढ़	73.29	73290	10000/-	180 दिवस	--तदैव--

ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि : 07.06.2024 From 16.00

ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय कर अपलोड करने की अंतिम तिथि : **18.06.2024 Upto 17.30**

ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि : 20.06.2024

निविदा फार्म उपरोक्त वेबसाइट पर ऑफ लाइन क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शायी गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री

जी-11295/49658/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड खुरई जिला सागर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 01-डी.एल./2024-25 **बैतूल, दिनांक : 07.06.2024**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. आमला जौलखेड़ा मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. खरपड़ा से बड़चोक मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी., बारछी भुयारी राजेगांव मार्ग लंबाई 1.60 कि.मी., आमला रेस्टा हाउस पहुंच मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी., ससाबड़ अंवारिया मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी., जीन अटारी मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी., कुम्हारिया मायनीजोड़ मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी., धनोरा बडोरा मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी., जोड़क्या भरकावाड़ी मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी., ढोढखेड़ा सावंगी गुनखेड़ मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी., झगड़िया माथनी चांदबेहड़ा मार्ग लंबाई 10.45 कि.मी., मुलताई बायपास मार्ग लंबाई 4.80 कि.मी. में बी.टी. रिनीवल।

टेण्डर नंबर	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2024_ PWDRB_ 349210_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	439.41	4,39,410/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2.लो.नि.वि. संभाग बैतूल के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पेच मरम्मत कार्य।

2024_ PWDRB_ 349222_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	40.00	50,000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. मोरखा से हरगीर बाबा मार्ग का निर्माण। लम्बाई 1.50 कि.मी.।

2024_ PWDRB_ 349235_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	233.21	2,33,210/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 22.06.2024 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-11272/49648/2024 **लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)**

आवश्यकता

सेवासदन महाविद्यालय, बुरहानपुर (म.प्र.)

स्टेशन रोड शनवारा, बुरहानपुर (म.प्र.) 450331

फोन : 07325-254926, ई-मेल - ssmv_burhanpurcollege@rediffmail.com

कॉलेज कोड - 28 (17) के अंतर्गत नियुक्ति हेतु विज्ञापन

संस्था सेवासदन महाविद्यालय, बुरहानपुर (म.प्र.) में कॉलेज कोड-28(17) के अंतर्गत सह-प्राध्यापक (Associate Professor) एवं सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor) पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन समस्त प्रमाण पत्रों एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर प्राचार्य, सेवासदन महाविद्यालय, शनवारा, बुरहानपुर (म.प्र.) के पते पर प्रेषित करें।

क्र.	पद	विषय	पद संख्या	योग्यता
1	सह-प्राध्यापक	अर्थशास्त्र	03	शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं रिसर्च पेपर, यूजीसी द्वारा जारी मापदण्ड अनुसार
2	सह-प्राध्यापक	वाणिज्य	02	
3	सह-प्राध्यापक	समाजशास्त्र	01	
4	सह-प्राध्यापक	गणित	01	
5	सह-प्राध्यापक	उर्दू	01	
6	सह-प्राध्यापक	कम्प्यूटर साईंस	01	
7	सह-प्राध्यापक	हिन्दी	01	
8	सह-प्राध्यापक	भौतिकी	01	
9	सहायक प्राध्यापक	उर्दू	01	

प्राचार्य

R-49645/2024 सेवासदन महाविद्यालय, बुरहानपुर

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत शिक्षा केन्द्र

चित्रकूट जिला-सतना (म.प्र.) - 485334

ऑनलाइन आवेदन हेतु प्रवेश सूचना : सत्र 2024-25

दूरवर्ती शिक्षा ब्यूरो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमोदित (1. NO. 22-40/2020/DEB-1 Dated 22.03.2021) दूरवर्ती माध्यम (ODL) से संचालित **UG & PG Programmes** तथा दूरवर्ती माध्यम से **विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित (डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु)** निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित है। MP Online Web Portal के माध्यम से ऑनलाइन शुल्क सहित प्रवेश आवेदन करने की **अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024** है।

(क) UG & PG Programmes

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्ष में)	अर्हता	पाठ्यक्रम शुल्क रु. (प्रथम वर्ष)	आवेदन पत्र शुल्क + परीक्षा शुल्क 500 + 1200	प्रवेश के समय जमा करने वाली कुल राशि
1	M.A. History	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
2	M.A. Political Science	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
3	M.A. English	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
4	M.A. Hindi	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
5	M.A. Sanskrit	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
6	M.A. Rural Development	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
7	M.A. Education	2	Graduation	7500.00	1700.00	9200.00
8	Master of Social Work (M.S.W.)	2	Graduation	10000.00	1700.00	11700.00
9	Master of Commerce (M.Com)	2	B.Com	10000.00	1700.00	11700.00
10	B.A.	3	Intermediate (10+2)	2500.00	1700.00	4200.00
11	B.Com	3	Intermediate (10+2)	5000.00	1700.00	6700.00
12	Bachelor of Social Work (B.S.W.)	3	Intermediate (10+2)	7500.00	1700.00	9200.00

(ख) Diploma Programmes

1	डिप्लोमा पत्रकारिता एवं जनसंचार	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
2	डिप्लोमा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
3	Diploma in Computer Application (DCA)	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
4	Diploma in Cyber Security	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
5	Diploma in Human Rights Education (DHRE)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
6	Diploma in Disaster Management (DDM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
7	Diploma in Industrial Relation & Personnel Management (DIRPM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
8	Diploma in Management OF NGOs (DNGOM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
9	* डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00
10	* डिप्लोमा इन ज्योतिष	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00
11	* डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00

* तारांकित पाठ्यक्रमों की आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा तथा सतत कक्षाओं का संचालन केवल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इन पाठ्यक्रमों के छात्रों की सतत कक्षाओं में शतप्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षाओं की सूचना यथासमय प्रसारित होगी।

दूरभाष क्रमांक - 07670265460, 265411

R-49649/2024 कुलसचिव

RAMAKRISHNA VIVEKANANDA VIDYAPEETH

Kapildhara Colony, P.O. Bijuri, Distt. Anuppur(M.P.)

(Sr. Secondary CBSE English Medium School)

Sponsored by SECL, Bilaspur (C.G.), Phone : 8319563173, 7587665509

Email: rkvvbijurioffice@rediffmail.com, website : www.rkvvbijuri.org

Walk in interview

On 19.06.2024 (Wednesday) for the following posts as mentioned below for Contractual appointment for the session 2024-25 in Ramakrishna Vivekananda Vidyapeeth, Kapildhara, Bijuri, Anuppur (M.P.) Reporting Time- 9: 30 AM

SL. No.	Particulars of post	No.of Post	Essential Qualification
1	PRT (Maths)	1	Graduate in relevant subject with 50% marks & B.Ed. (Approved by NCTE) CTET Preferred.
2	PRT (Hindi)	1	Graduate in relevant subject with 50% marks & B.Ed. (Approved by NCTE) CTET Preferred.
3	PRT (Sanskrit)	1	Graduate in relevant subject with 50% marks & B.Ed. (Approved by NCTE) CTET Preferred.
4	PRT (Computer)	1	Graduate in relevant subject with 50% marks. MCA/M. Sc. (Computer Science), M.Sc. (Electronics with Computer Science Component)/M.Sc. (IT)/B.Sc. (Computer Science) OR Bachelor's/Master degree in any Science Subject/ Mathematics from recognized University with Post Graduate Diploma in Computer application from government recognized University/Institute.
5	Special Educators (Elementary Primary and Upper level)	1	1. XII passed and two year D.Ed. Special education in any of the category of disability. OR 2. XII passed and one year diploma in special education (DSE) in any of the category disability. OR 3. Diploma in community based rehabilitation (DCRB) with six months certificate course in education of children with special needs. OR 4. Post graduate diploma in community based rehabilitation with six months certificate course in education of children with special needs. OR 5. Diploma in Multi rehabilitation worker with six months certificate course in education of children with special needs OR 6. Junior diploma in teaching the deaf OR 7. Primary level teacher teaching course in visual impairment. OR 8. Diploma in vocational rehabilitation mental retardation (DVR-MR)/ diploma in vocational training and employment mental retardation (DVTE-MR) with six months certificate course in education of children with special needs. OR 9. Diploma in hearing language and speech with six months certificate course in education of children with special needs. OR 10. XII passed with RCI recognized qualification for minimum one year duration and six months with special needs.
6	KG/Mother-Teacher (Female only)	4	Graduation with 50% marks. N.T.T./Montessori /B.El.Ed./D.Ed./B.Ed/Degree or Diploma in early childhood education.
7	UDC	1	Graduate with 50% marks in any discipline with knowledge of MS office, Fluent in English, Computer typing speed not less than 62 wpm, knowledge of rules and regulation of school administration.

Note : (1) Teaching experience in English Medium school will be preferred (2) Working in computer is essential for all the posts (3) Wages as per RKVV school norms (4) Free accommodation will be provided as and when available. (5) Experience 2 to 3 years for all post will be preferred (6) Candidates must report at **Ramakrishna Vivekananda Vidyapeeth, Kapildhara, Bijuri (M.P.), at 9:30 am on 19.06.2024 (Wednesday)** along with the original certificates of educational qualification and experience (7) A recent passport size photo & a set of self attested photo copies of certificates of marks, certificate of experience and Aadhar Card should be submitted separately (8) The Management reserves all the rights within themselves to accept/reject any application without assigning any reason thereof. (9) All posts are on part time contractual basis and no claim will be accepted for regular post. (10) No TA/DA will be paid for attending the interview.

The candidates without the required qualification NEED NOT attend the interview.

Principal/Director

R-49646/2024 RKVV, Bijuri.

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

चित्रकूट जिला-सतना (म.प्र.)

प्रवेश सूचना 2024-25

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत म.प्र. जन अभियान परिषद के सहयोग से दूरवर्ती माध्यम से संचालित समाज कार्य (सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास) में परास्नातक, स्नातक, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन माध्यम से रु. 100/- पंजीकरण शुल्क के साथ विलम्बतम् 20 जून 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित हैं :–

पाठ्यक्रम	शुल्क	न्यूनतम अर्हता
BSW सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास अवधि - तीन वर्ष	रु. 4500/-	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/मंडल/परिषद् या समकक्ष संस्थान से 10+2 (इण्टरमीडिएट)
MSW सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत् विकास अवधि - दो वर्ष	रु. 6500/-	किसी भी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय/विश्वविद्यालय से बी.एस. डब्ल्यू./किसी भी विषय में स्नातक

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें :–

Website - www.cmcldp.mpjapmis.org, Mob. - 07670-265622, 9343515178

R-49644/2024 कुलसचिव

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी

जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/01/व.ले.लि./2024-25 डिण्डौरी, दिनांक : 06.06.2024

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की ऑनलाइन निविदा पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता है :–

कार्य का नाम :– गोपालपुर-चांडा मार्ग का विशेष मजबूतीकरण का कार्य लम्बाई 8.00 किमी (द्वितीय आमंत्रण)

ई-टेंडर नम्बर	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र (रुपये में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2024_ PWDRB_ 349112	241.85	15000/-	241850/-	03 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. परिक्षेत्र जबलपुर

(1) ऑनलाइन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 07.06.2024 से 26.06.2024 सायं 5.30 बजे तक है।

(2) ऑनलाइन बिड सबमिट करने की **अंतिम तिथि 26.06.2024** सायं 5.30 बजे तक है।

(3) टेण्डर डाक्यूमेंट (e-EMD) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही सबमिट किये जायेंगे। निविदा दिनांक 28.06.2024 से खोली जावेगी।

(4) संशोधन या शुद्धिपत्र सिर्फ वेबसाइट में अपलोड किये जावेंगे।

(5) निविदा प्रपत्र वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर भुगतान उपरांत प्राप्त हो सकेंगे। अतिरिक्त जानकारी वेबसाइट पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-11251/49647/2024 लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

बेहतर समाज निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका - राज्यपाल

भोपाल, मध्यस्थता वह प्रक्रिया है, जिसमें हर कोई विजेता होता है क्योंकि मध्यस्थता में विवाद का निपटारा किसी आदेश के द्वारा नहीं होता है, व्यवस्थित चर्चा के द्वारा दो पक्ष समझौते पर पहुंचते है। मध्यस्थता सबके लिए किफायती, जल्द और उत्तरदायी न्याय का सुलभ, सुगम एवं प्रभावी तरीका है। विवाद को उत्पन्न करने वाली परिस्थितियों के समाधान के लिए समाज और सरकार को मिलकर कार्य करना होगा। समाज की विकृतियों को दूर करने के लिए चिंतन करना होगा। बेहतर समाज निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ई-मीडिएशन राइटिंग्स संस्था के वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि विवादों की उत्पत्ति छोटी-छोटी बातों से होती है। बोलने और देखने के तरीकों को लेकर बड़े-बड़े विवाद हो जाते हैं। विवाद बढ़े नहीं, इसके लिए मन-मस्तिष्क की शांति जरूरी है। जरूरी है कि समाज में जागरूकता का ऐसा वातावरण हो, जिसमें सभी हितधारक मध्यस्थता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और पहल का प्रदर्शन करें। युवाओं से अनुरोध किया कि वे जन-सामान्य की बोल-चाल की भाषाओं में मध्यस्थता के अवॉर्ड के न्यायालयीन महत्व के फ़ायदों को समझाने के लिए आगे आएं। समर्थ जन गरीबों, वंचितों को सस्ती, सुलभ और तेज न्याय प्रक्रिया के लाभ दिलाने में मध्यस्थता के द्वारा सहयोग करें।

वंचितों तक पहुंचने में करें सहयोग

राज्यपाल ने कहा है मध्यस्थता के द्वारा विवादों के समाधान की व्यापकता के लिए जरूरी है कि सुशिक्षित और प्रशिक्षित मीडिएटर्स एवं मीडिएशन परिणामों की स्वीकार्यता का दायरा बढ़ाया जाये। परिचयात्मक पाठ्यक्रमों से लेकर मिड-कैरियर-प्रोफेशनल रिफ्रेशर कोर्स की सभी स्तरों पर सतत व्यवस्था हो। मध्यस्थता केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं को उन्नत कर, मध्यस्थता के द्वारा व्यापक आबादी को लाभ पहुंचाने के लिए पक्के इरादों, सबके साथ और प्रयासों से पहल की जाए। उन्होंने ई-मीडिएशन राइटिंग्स संस्था से अपेक्षा की है कि जनजाति बहुल क्षेत्रों में विशेष ध्यान केन्द्रित करें। मध्यस्थता से सम्बंधित ई-प्रकाशन, नवाचार और ऑनलाइन मीडिएशन के द्वारा विवाद समाधान व्यवस्था को आर्थिक, सामाजिक रूप से वंचित समुदाय तक पहुंचाने में सहयोग करें।

मध्यस्थता की पहल आवश्यक

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जे.के. महेश्वरी ने पारिवारिक विवादों में मध्यस्थ की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा के उदाहरण देते हुए बताया कि विवाद को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की पहल भारतीय संस्कृति में आदिकाल से मौजूद है। मध्यस्थता से विवादों के समाधान के लिए समाज का पुनर्जागरण करना जरूरी है। उन्होंने रामचरित मानस, महाभारत के दृष्टांतों का उद्धरण देते हुए विवादों के समाधान में मध्यस्थ की भूमिका को रेखांकित किया। बताया कि तटस्थ भाव से मध्यस्थता की पहल से लम्बित पारिवारिक विवाद के आधे मामले समाप्त हो सकते हैं। चेयरमैन आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल न्यायमूर्ति श्री राजेंद्र मेनन ने कहा कि मध्यस्थता समय की मांग है। मध्यस्थता से विवादों के समाधान का नया दौर शुरू होगा।

मध्यप्रदेश में गंगा दशमी तक चलेगा अभियान

'जल गंगा संवर्धन' अभियान में आमजन आगे बढ़कर करें सहभागिता - मुख्यमंत्री

भोपाल, विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुए 'जल संरक्षण-संवर्धन' के विशेष अभियान 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में आमजन बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पारंपरिक देशज दृष्टि और संस्कार के अनुरूप जल तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टि से जल के औषधतत्व, उसकी सार्वभौमिकता को प्राथमिकता आधारित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुआ। यह गंगा दशमी (16 जून) तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संवर्धन और संरक्षण के लिये आमजन को प्रेरित करने के लिये विविध गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन कर अभियान को भव्य बनाया जाएगा। जल गंगा संवर्धन विशेष अभियान में जल संरचनाओं के उन्नयन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराये जाएंगे। जल संरचनाओं से मिलने वाले गंदे पानी के नाले अथवा नालियों को डायवर्सन के उपरांत शोधित कर जल संरचना में छोड़ा जाएगा। जल संरचनाओं को व्यवसाय एवं रोज़गारमूलक बनाने के उद्देश्य से पर्यटन, मत्स्य पालन, सिंघाड़े का उत्पादन जैसी संभावनाओं का स्पष्टतः निर्धारण किया जाएगा। चिन्हित जल संरचनाओं की मोबाइल एप से जियो टैगिंग भी की जाएगी। जल संग्रहण संरचना से निकाली गई मिट्टी एवं खाद का उपयोग स्थानीय कृषकों के खेतों में किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। जल संरचनाओं के किनारे पर यथा संभव बफर जोन तैयार किए

जाएंगे। इस जोन में अतिक्रमण से बचाने एवं नदी तालाबों के कटावों को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्र में जल संरचनाओं के जल की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

लोक रुचि के कार्यक्रम होंगे

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों (नर्मदा, चम्बल, ताप्ती, सोन, बेतवा, तवा, क्षिप्रा, केन, सिंधु, पार्वती, टोंस आदि) और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में अभियान चलेगा। इसमें प्रमुख नदियों एवं जलस्रोतों के निकट धार्मिक स्थानों, तीर्थ स्थलों, मेले एवं पुरातात्विक सम्पदाओं पर वृहद साफ-सफाई, सजावट तथा लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भजनों से लोक रुचि के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। विशेष अभियान में प्रदेश की लगभग 212 नदियों, जल संरचनाओं और जो पारंपरिक जलस्रोतों का सैटेलाइट मैपिंग करवा कर प्राचीन वांग्मय, परंपरा, लोक आख्यान के संदर्भों के साथ सर्वे आधारित दस्तावेजी ग्रंथ प्रकाशित होंगे।

जनभागिदारी से होंगे कार्यक्रम

विशेष अभियान में प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों से जुड़े प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक सम्पदाओं का जीर्णोद्धार, रखरखाव एवं जलीय जीव, वनस्पतियों आदि का अध्ययन एवं संरक्षण किया जाएगा। इसमें उज्जैन की क्षिप्रा परिक्रमा, क्षिप्रा नदी को चुनरी, आभूषण अर्पण उत्सव, पंचामृत पूजन एवं नर्मदा के किनारे धार्मिक आयोजन जनभागीदारी से किये जाएंगे। विशेष अभियान में 15 एवं 16 जून, 2024 को क्षिप्रा नदी के तट पर गरिमामयी सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। साथ ही डोली बुआ, हरिकथा (नारद कथा गायन परंपरा) प्रस्तुति एवं कलाकारों का सम्मान भी विशेष रूप से किया जाएगा। गंगा दशमी पर पारंपरिक शिप्रा परिक्रमा को बड़े स्तर पर संयोजित किया जाएगा।

जलाभिषेक अभियान का लेंगे संकल्प

प्रदेश की नदियों और जल संरचना के संरक्षण, संवर्धन, पुनरुद्धार और साफ-सफाई के लिए नियोजित जलाभिषेक अभियान का संकल्प गंगा दशमी को कराएंगे। पूरे प्रदेश में ग्राम, पंचायत, जनपद, नगरीय निकाय एवं जिलों के मुख्यालयों में सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जलाभिषेक का संकल्प लिया जायेगा। प्रतिवर्ष वर्ष-प्रतिपदा से जलाभिषेक अभियान आरंभ कर क्षिप्रा सहित प्रदेश की प्रमुख नदियों एवं जल संरचनाओं की साफ-सफाई और जल संरक्षण का अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा।

विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाना शिक्षक का प्रथम कर्तव्य - डॉ. कुमार

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के परीक्षा परिणामों की हुई समीक्षा

भोपाल, बावड़िया कला स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.) भोपाल में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित ईएमआरएस के बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें भोपाल, इंदौर, छिंदवाड़ा, बड़वानी, धार, गुना और नर्मदापुरम जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के 61 प्राचार्य और शिक्षक शामिल हुए। कार्यशाला में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य डॉ. ई. रमेश कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने कहा कि बीते 2-3 दशकों में जनजातीय विद्यार्थियों के संदर्भ में शिक्षा का परिदृश्य बदला है। पहले जहां विद्यालयों में इनका नामांकन चुनौती हुआ करता था, अब उनका उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करना लक्ष्य होना चाहिए। इसमें प्राचार्य की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है कि वह अपने भौतिक और मानव संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विद्यार्थियों के अच्छे परिणाम प्राप्त करें। अकादमिक के साथ खेल व अन्य सह अकादमिक गतिविधियों में सहभागिता से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं भी 6वीं से 12वीं तक इसी तरह के हॉस्टल में पढ़ा हूं और आज मैं जो कुछ भी हूं उसका श्रेय उन्हीं शिक्षकों को जाता है। इसके लिए मैं उन्हें अब तक याद करता हूं। विद्यार्थी का

समीक्षा बैठक को जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने संबोधित किया।

जीवन सुधारना और बनाना ही प्राचार्य व शिक्षक का कर्तव्य है।

इस अवसर पर शिक्षक अभिभावक की तरह जनजातीय कार्य विभाग की उप सचिव सुश्री मीनाक्षी सिंह ने कहा कि जनजातीय विद्यार्थियों के संबंध में प्राचार्य और शिक्षकों का दायित्व दोगुना हो जाता है। जनजातीय पालक अपेक्षाकृत कम जागरूक होते हैं। आवासीय विद्यालयों में प्राचार्य एवं शिक्षक ही उनके अभिभावकों की तरह होते हैं। मैं स्वयं भी एक जनजातीय विद्यालय से पढ़ी हूं और आज जो भी हूं उसमें उस विद्यालय की बड़ी भूमिका है।

परिणाम समीक्षा के बाद पिरामल फाउंडेशन के द्वारा 'पर्सनल लीडरशिप एंड मोटिवेशनल' विषय पर कार्यशाला के दौरान स्वॉट एनालिसिस और विभिन्न समूह गतिविधियों के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जनजातीय कार्य विभाग की अपर संचालक सीमा सोनी ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, सीएम राइज़ विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर एवं आदर्श आवासीय विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणामों की विभिन्न समीक्षा सह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर सहायक संचालक जनजातीय कार्य श्री अनूप हिरवे एवं ज्ञानोदय विद्यालय भोपाल के प्राचार्य श्री नीरज अब्राहम भी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को मिला अंतर्राज्यीय व्यापार का लाइसेंस

भोपाल, विद्युत नियामक आयोग ने मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को राज्य में विद्युत व्यापार के लिए श्रेणी-ई के अंतर्गत अंतर्राज्यीय व्यापार लाइसेंस देने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा ट्रेडिंग लाइसेंस के अनुदान के लिए पात्रता मानदंड, ट्रेडिंग लाइसेंसधारी के कर्तव्य, नियम और शर्तें विनियम 2004 में निर्दिष्ट सभी तकनीकी और वित्तीय मानदंडों को पूरा किया है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को ट्रेडिंग लाइसेंस मिलना मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को अंतर्राज्यीय व्यापार लाइसेंस मिलने से थर्मल पॉवर स्टेशन की ऊर्जा प्रभार दर को कुछ हद तक कम करने में मदद मिलेगी। इस कमी के कारण एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी की बिजली खरीद लागत को कम करेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा को क्रय करने में मिलेगी सहायता

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को विभिन्न मोड के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने या उससे नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने की अनुमति है। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 63 के अंतर्गत स्थापित संयंत्रों से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने की अनुमति है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी धारा 63 यानी प्रतिस्पर्धी बोली के तहत चयनित सौर परियोजना डेवलपर द्वारा स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र से बिजली खरीदेगा। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने अपने आदेश में उल्लेखित किया है कि बंडलिंग तंत्र के माध्यम से एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को ऐसी खरीदी गई नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति करना अंतर्राज्यीय व्यापार गतिविधि के रूप में माना जा सकता है।

शिक्षक प्रशिक्षक अनेक पीढ़ियों का करते हैं निर्माण

भोपाल, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश द्वारा पीएमश्री योजना अंतर्गत स्रोत शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में स्रोत शिक्षक के रूप में लगभग 100 प्राचार्य तथा शिक्षक सहभागी रहे। प्रशिक्षण के समापन सत्र में प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने सहभागियों का मार्गदर्शन किया और उनसे पूर्ण समर्पण तथा कर्मठता के साथ विद्यार्थी हित में कार्य की अपेक्षा की। श्रीमती शमी ने कहा कि शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहते हैं। शिक्षक अपने सेवाकाल में अनेक पीढ़ियों के निर्माण करते हैं तो इस लिहाज से, शिक्षक प्रशिक्षक पीढ़ियों के निर्माता हैं।

प्रशिक्षण में पीएमश्री योजना के उद्देश्यों से अवगत कराने के अतिरिक्त ग्रीन एवं क्लीन विद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, हॉलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड, स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट, मेंटल हेल्थ और वेल बीइंग, एक्शन प्लान, मॉनिटरिंग, पीअर लर्निंग,जो कैपेसिटी बिल्डिंग, इन्नोवेशन इन स्कूल, सेल्फ डिफेंस, वोकेशनल एजुकेशन, डिजिटल लिटरेसी विषयों को केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

हमारा जिला- बड़वानी

मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र की संस्कृति तथा क्षेत्रीय विशेषताओं का केन्द्र

*मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। **रोज़गार और निर्माण** के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है बड़वानी जिले का परिचय-*

जिला एक नजर में

क्षेत्र - 5,427 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या - 13,85,881
भाषा - हिन्दी, निमाड़ी

बड़वानी जिले की स्थापना 25 मई 1998 को हुई। पूर्व में यह जिला खरगोन (पश्चिम निमाड़) जिले का एक भाग था। बड़वानी जिला मध्य प्रदेश के दक्षिण पश्चिम में स्थित है, नर्मदा नदी इसकी उत्तरी सीमा बनाती है। जिले के दक्षिण में सतपुड़ा एवं उत्तर में विंध्याचल पर्वत श्रेणियां हैं।

बड़वानी नाम की उत्पत्ति बड़ के वन से हुई है। पहले यह शहर बड़ से घिरा हुआ था, वानी शब्द बगीचे के लिये प्रयोग किया जाता है, इसलिये शहर को बड़वानी नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ बड़ का बगीचा से है।

इतिहास

बड़वानी 1948 से पहले बड़वानी राज्य की राजधानी था। यह छोटा सा राज्य चट्टानी इलाकों और कम उत्पादक भूमि के कारण अंग्रेज, मुगलों और मराठों के शासन से बचा रहा था।

शहर बड़वानी पूर्व में बड़नगर और सिद्धनगर के नाम से भी जाना जाता था। बड़वानी जैन तीर्थ यात्रा केंद्र चुलगिरि और बावनगजा के लिए भी मशहूर है।

बड़वानी का एक ऐतिहासिक प्रतीक है जो तीरगोला के नाम से जाना जाता है। यह खंडवा-बड़ौदा मार्ग पर सागर विलास पैलेस के सामने स्थित है, और राजा रणजीत सिंह के दिवंगत बेटे की याद में बनाया गया था। स्वतंत्रता से पहले बड़वानी शहर 'निमाड़ के पेरिस' के रूप में जाना जाता था।

भौगोलिक

जिला बड़वानी पूर्व में जिला खरगोन, पश्चिम में गुजरात राज्य, उत्तर में जिला धार और दक्षिण में महाराष्ट्र राज्य के साथ सीमा बनाता है। जिला पश्चिम में उच्चतम बिंदु के साथ आकार में त्रिकोणीय है। शहर बड़वानी नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।

उत्सव

भगोरिया उत्सव

बड़वानी जनजातीय बाहुल्य जिला है। यहां भगोरिया उत्सव का आयोजन होता है जनजातीय संस्कृति में भगोरिया पर्व उल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व जनजातीय संस्कृति का लोक पर्व है। भगोरिया पर यहां मेला लगता है। मेले में जनजातीय लोग परिवार सहित शामिल होते हैं नृत्य, गान, खान-पान उत्सव आयोजन के साथ भगोरिया में उल्लास के विविध रंग देखे जा सकते हैं।

पर्यटन स्थल

नागलवाड़ी

महाराष्ट्र सीमा पर स्थित एक अत्यंत दर्शनीय और सुंदर स्थान है। यह सतपुड़ा हिल रेंज में स्थित है। पहाड़ी की चोटी पर एक प्रसिद्ध भीलट देव मंदिर तीर्थयात्रियों के लिए मुख्य आकर्षण है।

नागलवाड़ी शिखरधाम मंदिर

नागलवाड़ी में सतपुड़ा की वादियों के बीच प्राकृतिक वातावरण में बसे शिखरधाम भीलट देव मंदिर देशभर में प्रसिद्ध है। वर्षाकाल में यहां का हरित प्राकृतिक वातावरण मनोरम लगता है जो पर्यटकों को आकर्षित करता है। नागपंचमी पर यहां विशेष मेला लगता है। इस मेले में करीब 10 लाख श्रद्धालु आते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का यह केंद्र है।

परम पूज्य श्री भीलट देव की पुण्य अवतरण कथा के बारे में कहा जाता है कि विक्रम संवत 1220 में इनका प्राकट्य मध्य प्रदेश के हरदा जिले के ग्राम रोलगांव में हुआ था। इनके पिता का नाम राणा रेलण एवं माता का नाम मैदाबाई था। निमाड़ के प्रसिद्ध संत सिंगाजी की तरह ही वे गवली परिवार में गो पालन कर जीवनयापन करते थे। उनका परिवार सुख समृद्ध होते हुए भी संतान के ना होने से दुखी रहता था। उनके माता-पिता शिव भक्त थे।

मान्यता है कि आस्थावान दंपत्ति की भक्ति साधना से प्रसन्न होकर एक दिन शिवजी ने दर्शन देकर वरदान मांगने को कहा। नि:संतान राणा दंपति की आंखों से आंसू बहने लगे उन्होंने भगवान से कहा कि आप सर्व ज्ञाता हो, हमारे नि:संतान होने के कलंक को गंगाधर मां गंगा की धार से धो दीजिए, तब शिवजी बोले.. हे भक्त युगल आपकी किस्मत में संतान का सुख तो नहीं है, लेकिन मेरे वरदान के फलस्वरुप एक तेजस्वी बालक का जन्म होगा, वह आपके पास तब तक ही रहेगा, जब तक मैं चाहूंगा। शिवजी का वचन कालांतर में फलित हुआ। शिव कृपा से पूज्य भीलट देव का पुण्य अवतरण हुआ। राणा रेलण और पत्नी संतान सुख भोगने लगे। समय चक्र अनवरत चलता रहा। संयोग से एक दिन भगवान शिव साधु वेश बनाकर राणा दंपति की परीक्षा लेने आए। तब अपने साथ बालक रूपी भीलट देव को उठाकर अपने साथ चौरागढ़धाम ले गए। खाली पलने में एक नाग छोड़ गए। इधर बालक को न पाकर दोनों व्याकुल होकर भटकने लगे। तब आकाशवाणी के माध्यम से शिव जी ने कहा कि बालक आपको नहीं मिल पाएगा, लेकिन ये नाग देवता आपकी सुरक्षा में रहेंगे। आज से आपका ये सुपुत्र नागौर मानव रूप में सर्वत्र पूजित होगा।

बावनगजा

बावनगजा (चुलगिरी) एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थ केंद्र है। यह जिला मुख्यालय से 6 किलोमीटर दूरी पर है। वहां पहाड़ी पर 15 वीं सदी के 11 मंदिर हैं साथ ही भगवान आदिनाथ की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा है। कहा जाता हैं कि जैन संत कुंभकर्ण और इंद्रजीत ने इस स्थान से ही निर्वाण पाया था।

बिजासन माता का मंदिर

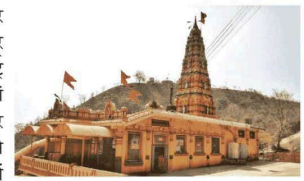

जिले के सेंधवा शहर से 16 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित मां बिजासन माता का मंदिर आस्था का केंद्र है। वैसे तो सालभर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन शारदीय नवरात्रि की सप्तमी, अष्टमी व नवमी को हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में माताजी पिंडी स्वरूप में विराजित हैं। सतपुड़ा की वादियों में स्थापित इस मंदिर में बिजासन माता के साथ-साथ भैरवनाथ एवं हनुमानजी भी विराजित हैं। नवरात्रि पर्व पर लोग मां की अराधना में लीन रहते हैं। इस मंदिर में प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र और गुजरात से भी लोग दर्शन करने आते हैं। वहीं माता के भक्त नंगे पांव पैदल यात्रा कर दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि माता के दर्शन मात्र से लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर की तरफ से माता के सभी भक्तों के लिए व्यवस्थाएं की जाती हैं।

उत्पादन

कपास

इस क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी कपास की उपज के लिए बहुत उपयोगी है। कपास बड़वानी जिले के लोगों की जीवन रेखा बन गई है। परिणामस्वरूप जिले में कई सूती उद्योग स्थापित हैं।

मिर्च- मिर्च बड़वानी जिले की सबसे महत्वपूर्ण नकदी फसलों में से एक है। बड़वानी का राजपुर तहसील शहर मिर्ची उत्पादक किसानों के लिए बाजार उपलब्ध करवाता है। राजपुर के मिर्च के पौधे पूरे बड़वानी और पश्चिम निमाड़ क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

कॅरियर की राहें

अब यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन क्षेत्र में कॅरियर का नया आसमान

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

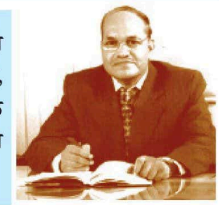

इस समय नई पीढ़ी के लिए देश में ही नहीं पूरी दुनिया में यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन सेक्टर में कॅरियर का ऊंचा आसमान दिखाई दे रहा है। खास बात यह है कि न केवल नगरों और महानगरों के बल्कि छोटे-छोटे गांवों के ऐसे स्टूडेंट भी इस क्षेत्र में कॅरियर के लिए आगे बढ़ रहे हैं, जो यात्रा प्रबंधन और पर्यटन में गहरी रुचि रखते हैं। मैंने देश में विभिन्न घरेलू पर्यटन यात्राओं तथा विदेशी पर्यटन यात्राओं के समय इस बात को अनुभव किया है कि इस क्षेत्र में ऐसे स्टूडेंट भी ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं, जिन्होंने बचपन से यात्रा प्रबंधन और पर्यटन को कॅरियर बनाने के लिए सपने देखे, फिर अच्छी डिग्रियां लीं और आगे बढ़ते गए। इन दिनों युवा टूरिज्म सेक्टर में ट्रैवल कंसल्टेंट, टूरिज्म मैनेजर, टूरिज्म रिलेशनशिप मैनेजर, इनबाउंड टूर मैनेजर, टूर एग्जीक्यूटिव, सेल्स मैनेजर, आउटबाउंड एवं डोमेस्टिक टूर मैनेजर, ट्रैवल काउंसलर, ऑपरेशंस मैनेजर, ट्रैवल बुकिंग एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल एजेंट, टूर गाइड एवं गेस्ट रिलेशन ऑफिसर आदि के रूप में कार्य शुरू कर सकते हैं।

तेजी से बढ़ते भारतीय पर्यटन उद्योग में बढ़े अवसर

इस समय दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया में भारत सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। भारत 2028 तक ट्रैवल एंड टूरिज्म की दृष्टि से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ट्रैवल एंड टूरिज्म सेक्टर का कारोबार वर्ष 2028 तक करीब 480 अरब डॉलर हो जाने की संभावना रखता है। पर्यटन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 2023-24 के केंद्रीय बजट में 1742 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। साथ ही 2030 तक पर्यटन उद्योग के जरिये 56 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा अर्जित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पर्यटन सेक्टर में बढ़ती रैंकिंग के साथ कॅरियर के नए मौके

निश्चित रूप से भारत में ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थलों के कारण जहां घरेलू पर्यटन में तेज वृद्धि हुई है वहीं जी 20 के सफल आयोजन के बाद भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। हाल ही में मई 2024 में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम ने यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 जारी किया है। 119 देशों के इस सूचकांक में भारत 39वें स्थान पर है। इसके पहले टीटीडीआई सूचकांक 2019 में भारत काफी नीचे 54वें स्थान पर था। नए टीटीडीआई सूचकांक में भारत पर्यटन से जुड़े कई महत्वपूर्ण संसाधन मापदंडों पर प्रमुख नामचीन पर्यटन प्रधान देशों की सूची में शामिल है। प्राकृतिक मापदंड पर भारत छठे, सांस्कृतिक, कारोबार, चिकित्सा और शिक्षा के लिए यात्रा मापदंडों पर 9वें क्रम पर है। कुछ और ऐसे प्रमुख पर्यटन मापदंड हैं, जिनमें भारत उभरता दिखाई दे रहा है। इनमें कीमत एवं प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में भारत 18वें, हवाई यातायात की प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में 26वें और जमीनी एवं बंदरगाह बुनियादी ढांचे के मामले में 25वें स्थान पर है। इन पर्यटन सूचकांकों के विश्लेषण से यह भी मालूम होता है कि स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण सततता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, और पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर भी भारत ने प्रगति की है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में घरेलू पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और खासतौर से धार्मिक पर्यटन रिकार्ड ऊंचाइयाँ छू रहा है।

नई पर्यटन नीति से बढ़ेंगे कॅरियर के मौके

इस समय सरकार के द्वारा नई पर्यटन नीति की रणनीति पर आगे बढ़ा जा रहा है। साथ ही नए पर्यटन सूचकांक 2024 के आधार पर कुछ ऐसी महत्वपूर्ण बातें सामने आती हैं, जिन्हें ध्यान में रखकर जहाँ भारत अपने घरेलू पर्यटकों की संख्या में वृद्धि कर सकता है। वहीं घरेलू पर्यटन स्थलों पर विदेशी पर्यटन स्थलों की तरह सुविधाएं निर्मित करके विदेशों में पर्यटन का मोह पाले हुए घरेलू पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है।

देश ही नहीं दुनियाभर में कॅरियर के मौके उपलब्ध

उल्लेखनीय है कि दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक प्रमुखतया फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली में जाते हैं। इन प्रमुख वैश्विक पर्यटन देशों के अलावा सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, हांगकांग, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) जैसे देश भी अपनी कुछ विशिष्टताओं से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के मामले में भारत से बहुत आगे हैं। ऐसे में स्थिति यह है कि अभी भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से कम हिस्सा भारत के खाते में आ रहा है। यद्यपि पर्यटन उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 6 फीसदी का योगदान करता है, लेकिन इसमें सिर्फ 8 करोड़ लोगों को ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रोज़गार मिला हुआ है। दूसरी ओर पूरी दुनिया में यात्रा प्रबंधन और पर्यटन सबसे बड़े उद्योग और सबसे बड़े कारोबार के रूप में दिखाई दे रहा है, दुनिया के सबसे ज्यादा कॅरियर की संभावनाएं इसी सेक्टर में दिखाई दे रही हैं।

भारत के कई ऐसे अनोखे पर्यटन स्थल हैं, जो देश में टूरिज्म के विभिन्न आयामों को मजबूत पहचान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेतीला रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व और यूनेस्को के द्वारा चिन्हित धरोहर

स्थलों समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन स्थल अपनी चिर-परिचित पहचान बनाए हुए हैं और सभी प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाएं रखते हैं। इनके अलावा रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट, कृष्णा सर्किट अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था केंद्र देश एवं दुनिया के धार्मिक पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं।

गौरतलब है कि इस समय दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों और भारत के पड़ोसी पर्यटनों स्थलों वाले प्रसिद्ध देशों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। इन देशों के द्वारा इस बात को अच्छी तरह समझा गया है कि भारतीय मध्यम वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति के कारण उनमें विदेश यात्रा की ललक और अभिरुचि बढ़ी है। जहाँ एक ओर विदेशी पर्यटकों के कदम भारत की ओर धीमी गति से बढ़ रहे हैं, वहीं भारतीय पर्यटकों के कदम विदेशों में पर्यटन के लिए छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। 4 दिसंबर 2023 को सरकार ने लोकसभा में बताया कि वर्ष 2022 में भारत यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 85.9 लाख थी। रिजर्व बैंक की 23 मई, 2024 को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों ने वर्ष 2023-24 में विदेश घूमने पर 17 अरब डॉलर यानी करीब 1.41 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, वहीं इसके पूर्व वर्ष 2022-23 में विदेश घूमने पर 13.6 अरब डॉलर खर्च किए थे। इस समय विदेशी पर्यटन करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या के लिहाज से भारत का क्रम विश्व में 10वां था, जो वर्ष 2027 तक यह दुनिया में पांचवां होगा।

वर्ष 2047 तक 1 लाख करोड़ डॉलर की होगी देश की पर्यटन अर्थव्यवस्था

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप घरेलू पर्यटकों, धार्मिक पर्यटकों और विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। भारत ने पिछले वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के कार्यसमूह की रणनीतिक रूप से देश के कोने-कोने में 200 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों को भारत के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार का अभूतपूर्व मौका भी हासिल किया है। ऐसे में हम उम्मीद कर सकते हैं कि भारत वर्ष 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए वर्ष 2047 तक एक लाख करोड़ डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया में उभर सकेगा। इसके साथ ही घरेलू पर्यटन में भी कॅरियर के मौके लगातार बढ़ते हुए दिखाई देंगे।

यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन के विभिन्न सेक्टर और उनमें कॅरियर

भारत के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जो देश में यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन के विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। देश में तरह-तरह के जो पर्यटन तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, इनमें तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन, हिमालय पर्यटन, साहसिक पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, विरासत पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, विवाह स्थल, पर्यटन, खेल पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत पर्यटन, योग, आयुर्वेद एवं चिकित्सा पर्यटन आदि शामिल हैं। देश में जिस तेजी से ये विविध पर्यटन बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से इस सेक्टर में कॅरियर के नए-नए स्वर्णिम अवसर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी मौके

यात्रा प्रबंधन एवं टूरिज्म इंडस्ट्री में सरकारी पर्यटन विभाग, इमिग्रेशन एंड कस्टम, ट्रैवल एजेंसीज, एयरलाइंस, टूर ऑपरेटर, होटल, एयरलाइन, कैटरिंग, गाइड, दुभाषिए, टूरिज्म प्रमोशन और सेल्स जैसी सेवाएँ शामिल होती हैं। इन सभी पर्यटन से जुड़े कार्यों कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं।

यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन सेक्टर में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

जो युवा टूरिज्म सेक्टर में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए इस सेक्टर से संबंधित डिग्री-डिप्लोमा के साथ-साथ कुछ विशेष स्किल्स जरूरी हैं। वाकपटुता, मिलनसारिता, प्रकृति, पुरातत्व और यात्रा में रुचि, परिश्रम, नम्रता, अच्छा कम्प्यूटर नॉलेज, हिन्दी, क्षेत्रीय भाषा एवं अंग्रेजी में दक्षता, भौगोलिक ज्ञान, विदेशी मुद्रा विनिमय संबंधी जानकारी इस सेक्टर में कॅरियर के लिए लाभप्रद हैं।

यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन में कॅरियर से संबंधित विभिन्न कोर्स

टूरिज्म में बैचलर डिग्री कोर्स, सर्टिफिकेट कोर्स और डिप्लोमा कोर्स करने के लिए किसी भी विषय समूह से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। टूरिज्म इंडस्ट्री में फुल टाइम कोर्सेज के अलावा शॉर्ट टर्म कोर्स के विकल्प भी मौजूद हैं। बैचलर कोर्स तीन साल के और पीजी कोर्स दो साल के होते हैं। कई संस्थानों द्वारा सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। टूरिज्म से जुड़े कुछ प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट, एमए इन टूरिज्म मैनेजमेंट, टूरिज्म से जुड़े एक वर्षीय शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स इस प्रकार हैं- एयरलाइन टिकटिंग, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशंस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, गाइडिंग एंड स्काउटिंग, कार्गो मैनेजमेंट, एयरपोर्ट लॉजिस्टिक मैनेजमेंट आदि। टूरिज्म पीजी डिप्लोमा कोर्स या पीजी स्तर के कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक है। इस कोर्स में किसी भी विषय या स्ट्रीम के छात्र दाखिला ले सकते हैं।

यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन कोर्स कहां से करें

देश और प्रदेश के कोने-कोने में यात्रा प्रबंधन एवं पर्यटन का कोर्स कराने के लिए सरकारी एवं प्रायवेट सेक्टर में कई संस्थान कार्यरत हैं। आप अपनी उपयुक्तता के

अनुरूप किसी अच्छे गुणवत्तापूर्ण संस्थान से टूरिज्म का कोई उपयुक्त कोर्स करके अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

पूर्णिमा श्रेष्ठ

नेपाल की पर्वतारोही ने दो सप्ताह में तीन बार एवरेस्ट किया फतह

नेपाल की पर्वतारोही और फोटोग्राफर पूर्णिमा श्रेष्ठ ने दो सप्ताह में तीन बार दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करके इतिहास रच दिया है। पूर्णिमा एक माह के अंदर तीन बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली विश्व की पहली पर्वतारोही बन गई हैं। अब तक चार बार माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पूर्णिमा ने 12 मई, 19 मई और 25 मई को सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। पूर्णिमा इससे पहले मनास्लू, अन्नापूर्णा, धौलांगरी, कंचनजंगा, ल्होत्से और मकालू की पर्वत चोटियों को भी फतह कर चुकी हैं।

जनरल मनोज पांडे

थलसेना प्रमुख को मिला एक महीने का सेवा विस्तार

केंद्र सरकार ने थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया है। जनरल मनोज पांडे 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन अब वे 30 जून 2024 तक अपने पद पर बने रहेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने जनरल पांडे के सेवा विस्तार को एक महीने बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। जनरल पांडे वर्ष 1982 में सेना की इंजीनियर कोर में कमीशन हुए थे। वह 30 अप्रैल 2022 को भारतीय सेना के प्रमुख बने थे।

अनसूया सेनगुप्ता

कांस फिल्म फेस्टिवल में बनीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

भारतीय अभिनेत्री अनसूया सेनगुप्ता ने 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल में इतिहास रच दिया है। इस समारोह में अनसूया को अनसर्टेन रिगार्ड कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया है। अनसूया इस फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उनको यह पुरस्कार फिल्म 'द शेमलेस' के लिए मिला है, इस फिल्म को बुल्गारिया के फिल्म मेकर कॉन्स्टेंटिन बोजानोव ने निर्देशित किया है।

रुचिरा कंबोज

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि हुईं सेवानिवृत्त

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज अपने पद से सेवानिवृत्त हो गई हैं। रुचिरा वैश्विक संस्था में भारत के राजदूत के रूप में इस पद पर तैनात होने वाली पहली महिला राजनयिक हैं। रुचिरा वर्ष 1987 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हुई थीं और अगस्त 2022 में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि बनी थीं। अपने 35 वर्ष से अधिक के कॅरियर में रुचिरा ने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। वह भूटान, दक्षिण अफ्रीका और यूनेस्को में भी भारत की राजदूत रही हैं।

रवि प्रकाश

पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवॉर्ड से होंगे सम्मानित

लंग कैंसर के क्षेत्र में काम करने वाली विश्व की प्रतिष्ठित संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) ने भारत के वरिष्ठ पत्रकार और लंग कैंसर से पीड़ित रवि प्रकाश को इस वर्ष के पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवॉर्ड के लिए चुना है। यह पुरस्कार लंग कैंसर के क्षेत्र में मरीजों के मुद्दों को उठाने वाले व्यक्ति को दिया जाता है। उन्हें यह पुरस्कार सात सितम्बर को अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन डिएगो में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन लंग कैंसर के दौरान दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रवि प्रकाश जनवरी 2021 से लंग कैंसर से जूझ रहे हैं। वे कैंसर मरीजों के लिए काम करने वाली स्वयंसेवी संस्था लंग कनेक्ट इंडिया के निदेशक भी हैं।

काम्या कार्तिकेयन

एवरेस्ट फतह करने वाली दूसरी सबसे युवा भारतीय बनीं

काम्या कार्तिकेयन दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली दूसरी सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। 16 वर्षीय काम्या ने अपने पिता एवं भारतीय नौसेना के कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ माउंट एवरेस्ट को फतह किया। पिता-पुत्री की जोड़ी 20 मई को 8849 मीटर ऊंची माउंट एवरेस्ट चोटी पर पहुंची। काम्या सात महाद्वीपों में से छह महाद्वीपों की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों पर चढ़ाई कर चुकी हैं। उनका अगला लक्ष्य इस वर्ष दिसम्बर में अंटार्कटिका के माउंट विंसन मैसिफ को फतह करना है, ताकि वह दुनिया की सात सबसे ऊंची चोटी फतह करने वाली सबसे युवा महिला बन सकें। काम्या प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं।

पल्स्ड प्लाज्मा रॉकेट

नासा के रॉकेट से दो महीने में मंगल पर पहुंचेंगे अंतरिक्ष यात्री

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भविष्य के एक रॉकेट का प्लान तैयार किया है। इस रॉकेट की मदद से अंतरिक्ष यात्री मंगल ग्रह पर महज दो महीने में ही पहुंच सकेंगे। अभी पृथ्वी से मंगल ग्रह पर पहुंचने में 22 से 24 महीने लगते हैं। नासा के इस रॉकेट का नाम पल्स्ड प्लाज्मा रॉकेट है। नासा ने इस रॉकेट को विकसित करने के लिए होव इंडस्ट्रीज को फंड दिया है। नासा ने बताया कि इस रॉकेट का प्रोपल्शन सिस्टम बेहद खास और अत्याधुनिक है। यह हाई स्पेसिफिक इंपल्स या आईएसपी पर उड़ान भरेगा। यह रॉकेट छोटा होने के बावजूद भारी यान को अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम होगा, इसमें ऐसी आधुनिक तकनीक होगी जो अंतरिक्ष यात्रियों को गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणों से बचाएगी।

वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के नए प्रमुख नियुक्त

भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी और तीन स्वदेशी युद्धपोतों के कमीशनिंग क्रू का हिस्सा रहे वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के नए मुखिया बन गए हैं। उन्होंने वाइस एडमिरल अजय कोचर की जगह ली है। वह एनडीए के पूर्व छात्र रह चुके हैं और वर्ष 1990 में भारतीय नौसेना में कमीशन हुए थे। उन्होंने तोपखाने और मिसाइल विशेषज्ञ के रूप में भारतीय नौसेना के जहाज रंजीत और प्रहार पर काम किया है। इसके अलावा वे आईएनएस शिवालिक पर कार्यक्रम अधिकारी और आईएनएस कोच्चि पर कमांडिंग अधिकारी के रूप में काम कर चुके हैं।

यूएसएस हार्डर

दक्षिण चीन सागर में मिला अमेरिकी पनडुब्बी का मलबा

अमेरिका की सबसे मशहूर पनडुब्बी में से एक यूएसएस हार्डर का मलबा 80 वर्ष बाद दक्षिण चीन सागर में मिला है। यह पनडुब्बी दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 29 अगस्त 1944 को डूब गई थी। डूबने से पहले इस पनडुब्बी का इस्तेमाल अमेरिका फिलीपींस को जापानी सेना के कब्जे से मुक्त कराने के लिए कर रहा था। इस पनडुब्बी में 79 अमेरिकी नौसैनिक सवार थे और सभी की मृत्यु हो गई थी। अमेरिकी नौसेना के नेवी हिस्ट्री हेरिटेज कमांड ने बताया कि पनडुब्बी का मलबा फिलिपींस के लुजान द्वीप के नजदीक समुद्र में 3 हजार फीट नीचे मिला है। 80 वर्ष तक समुद्र में डूबे रहने के बावजूद पनडुब्बी का ज्यादातर हिस्सा जुड़ा हुआ है।

ग्लिसे 12बी ग्रह

पृथ्वी से 40 प्रकाश वर्ष दूर खोजा नया ग्रह

नासा के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से 40 प्रकाश वर्ष दूर एक नए ग्रह की खोज की है। इस ग्रह को ग्लिसे 12बी नाम दिया गया है। हमारे सौर मंडल के काफी करीब यह ग्रह आकार में पृथ्वी से छोटा और शुक्र ग्रह से बड़ा है। इस ग्रह का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस होने का अनुमान है। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स एंड मंथली नोटिसेज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी में प्रकाशित शोध के अनुसार ग्लिसे 12बी एक तारे की परिक्रमा कर रहा है। शोधकर्ताओं के अनुसार ग्लिसे 12बी का अध्ययन करने से ग्रहों पर जीवन की संभावना को समझने में मदद मिलेगी। इस ग्रह की सतह पर पानी होने की संभावना है, जिससे इस ग्रह पर मानव जीवन की संभावना हो सकती है।

जॉर्डन मैरोटा

बायोनिक हीरो आर्म लगवाने वाले सबसे छोटे व्यक्ति बने

अमेरिका के लॉग आइलैंड में रहने वाले पांच वर्षीय जॉर्डन मैरोटा बायोनिक हीरो आर्म लगवाने वाले विश्व के सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए हैं। जॉर्डन के परिजनों ने बताया कि जन्म से ही जॉर्डन का बायां हाथ नहीं था। उनकी इच्छा थी कि उनकी बायोनिक आर्म मार्बल के हीरो आयरन मैन जैसी हो, इसलिए उसे हीरो आर्म लगाई गई है। जॉर्डन इस हीरो आर्म से अपने सभी आवश्यक कार्य कर सकेगा। इस बायोनिक आर्म को बनाने वाली कंपनी ओपन बायोनिक्स के ऑर्थोटिस्ट डैनियल ग्रीन ने बताया कि यह कृत्रिम हाथ रिचार्जेबल बैटरी से काम करता है। इसे बनाने में लगभग एक माह का समय लगा।

गितानस नौसेदा

लिथुआनिया के दोबारा राष्ट्रपति चुने गए

लिथुआनिया में सम्पन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में निवर्तमान राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने शानदार जीत दर्ज की है। राष्ट्रपति नौसेदा ने चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी और देश की प्रधानमंत्री इंग्रिडा सिमोनिटे को भारी मतों से हराया। लिथुआनिया के चुनाव आयोग के अनुसार नौसेदा को 74.43 प्रतिशत मत मिले, वहीं सिमोनिटे 24.06 प्रतिशत मत ही हासिल कर सकीं। नौसेदा इससे पहले 12 जुलाई 2019 में देश के राष्ट्रपति बने थे। चुनाव जीतने के बाद नौसेदा ने कहा कि लिथुआनिया की स्वतंत्रता एक नाजुक जहाज की तरह है, जिसे हमें टूटने से बचाना और संजोकर रखना चाहिए।

बार्क एयर

कुत्तों के लिए पहली आरामदायक हवाई सेवा शुरू

अमेरिका में कुत्तों के लिए आरामदायक हवाई सेवा की शुरुआत की गई है। यह दुनिया में पहला अवसर है जब कुत्तों के लिए विशेष फ्लाइट शुरू की गई है। अमेरिका की चार्टर विमानन कंपनी कार्क एयर ने यह हवाई सेवा शुरू की है। बार्क एयर ने बताया कि इस फ्लाइट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें कुत्ते आराम और सहजता के साथ सफर कर सकें। इस फ्लाइट में कुत्तों के लिए खिलौने और स्पा की सुविधा भी है। कंपनी ने कहा कि प्रारंभिक तौर पर यह हवाई सेवा न्यूयॉर्क के वेस्टचेस्टर काउंटी हवाई अड्डे से लॉस एंजिलिस के पास वैन नूय्स और लंदन के बिगगिन हिल तक के लिए शुरू की गई है।

मेजर राधिका सेन

प्रतिष्ठित सैन्य जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड से हुईं सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय सेना की अधिकारी और कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा देने वाली भारतीय महिला शांति सैनिक मेजर राधिका सेन को प्रतिष्ठित सैन्य जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड से सम्मानित किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिए गुटेरेस ने मेजर राधिका को सम्मानित करते हुए उन्हें सच्चा अगुआ और रोल मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि मेजर राधिका ने कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में काम किया और उत्तरी किवु में एक अलर्ट नेटवर्क बनाने में मदद की, जो महिलाओं और युवाओं को अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठाने के लिए मंच प्रदान करता है। मेजर राधिका को वर्ष 2023 में भारतीय रैपिड डिप्लॉयमेंट बटालियन के साथ इंगेजमेंट प्लाटून कमांडर के रूप में कांगो में तैनात किया गया था।

न्यायाधीश एम.एस. सोनक

लिविंग विल दर्ज कराने वाले पहले व्यक्ति बने

बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश एम.एस. सोनक लिविंग विल दर्ज कराने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। दरअसल गोवा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां लिविंग विल लागू हो गया है। न्यायाधीश सोनक ने गोवा में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के एक कार्यक्रम के दौरान अपनी लिविंग विल दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि लिविंग विल एक ऐसा दस्तावेज है, जिसे बिगड़ते स्वास्थ्य या गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति पहले ही तैयार कर सकता है। इसके माध्यम से वह जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे कोमा में न रहने का विकल्प चुन सकता है।

स्मृति शेष

पाकिस्तान के अभिनेता तलत हुसैन का निधन

पाकिस्तान के दिग्गज अभिनेता तलत हुसैन का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार थे, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। ऑर्ट्स काउंसिल ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अध्यक्ष अहमद शाह ने तलत हुसैन के निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि तलत हुसैन बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने रेडियो, टीवी, थिएटर और सिनेमा में काम किया है। तलत हुसैन अपनी अनूठी अभिनय शैली के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने भारतीय सिनेमा में भी काम किया है। तलत हुसैन को वर्ष 1982 में पाकिस्तान का सर्वोच्च प्राइड ऑफ परफॉर्मेंस पुरस्कार मिला था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

साक्षात्कार

कड़ी मेहनत और ध्येय के प्रति लगन से मिलेगी परीक्षा में सफलता

इस परीक्षा में सफलता के लिए प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार तीनों चरणों के हिसाब से कैसे तैयारी करें तथा किन बातों का ध्यान रखें। इसे 'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक में लोकेश साझा कर रहे हैं। साथ ही यह भी जानते हैं कि नर्मदा की सहायक नदी अजनाल के किनारे बसे एक छोटे से गांव के लड़के ने विपरीत परिस्थितियों को हराकर कैसे अफसर बनने का सफर तय किया ...

विषम परिस्थितियों को हराकर पहले प्रयास में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा पास कर डीएसपी बने लोकेश से जानते हैं राज्य सेवा परीक्षा में सफलता के गुर

जिस मिट्टी ने लहू पिया,
वह फूल खिलाएगी ही,
अंबर पर घन बन छाएगा ही
उच्छवास तुम्हारा।
और अधिक ले जांच,
देवता इतना क्रूर नहीं है,
थककर बैठ गये क्या भाई!
मंजिल दूर नहीं है।

कवि डॉ. रामधारी सिंह दिनकर की इन पंक्तियों से प्रेरणा लेने वाले लोकेश छापरे पहले प्रयास में ही 2019 की राज्य सेवा परीक्षा पास कर डीएसपी के पद पर चयनित हुए हैं और वर्तमान में पुलिस ट्रेनिंग अकादमी भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी अपना भाग्य आजमाते हैं लेकिन सफलता कुछ को ही मिलती है।

हरदा जिले की हंडिया तहसील में नर्मदा किनारे का एक गांव है खरदना। लोकेश इसी गांव के रहने वाले हैं। ये गांव नर्मदा की सहायक नदी अजनाल के किनारे बसा हुआ है। इसी अजनाल नदी में नाव चलाकर लोकेश के पिता श्री रामसिंह और मां श्रीमती अतरा सिंह ने खेती में हाथ बंटाकर अपने बेटे को पढ़ाया है। प्राथमिक शिक्षा गांव के ही शासकीय स्कूल में हुई। इसके बाद की पढ़ाई 5 किलोमीटर दूर बिछोला गांव के स्कूल में की। स्कूल अजनाल नदी के उस पार था। लोकेश कहते हैं कि रोज नदी पार करके स्कूल जाता था मैं नाविक परिवार से था, तो कभी नाव के लिए पैसे नहीं लगते थे।

- **हॉस्टल में एडमीशन नहीं मिला तो 30 किलोमीटर अपडाउन**

❍ लोकेश ने जब कक्षा 9वीं में उत्कृष्ट स्कूल में एडमीशन लिया तो शासकीय छात्रावास में जगह खाली ना होने के कारण स्कूल से 30 किलोमीटर दूर रोजाना बस से आना-जाना किया करता था। सुबह 8 बजे निकलकर रात को 8 बजे वापस आता था। बस को 30 किलोमीटर का सफर करने में डेढ़ से दो घंटे का वक्त लगता था। सुबह 10 बजे स्कूल पहुंचता था। शाम को 5 बजे के लगभग बस का एक घंटे इंतजार करने के बाद बस से 8 बजे रात को घर आता था। कक्षा 9वीं के बाद हॉस्टल मुझे मिल गया और कक्षा 12वीं 2015 में पूरी होने के बाद में ग्रेजुएशन के लिए इंदौर चला गया था।

- **जनसुनवाई से कुछ यूं मिली सिविल सर्विस की राह**

❍ स्कूल में पढ़ाई के दौरान स्कॉलरशिप की वजह से एक बार लोकेश जनसुनवाई में गए थे। वहां मौजूद डिप्टी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी ने पूरा सहयोग किया। इससे प्रशासनिक सेवा में जाने के लिए प्रेरणा मिली। स्कूल में अपनी शिक्षक ऋचा गुप्ता से पूछा कि इस परीक्षा को कैसे पास करते हैं तब उन्होंने अपने एक सीनियर स्टूडेंट ललित सोनी से मिलवाया जो उस समय तैयारी कर रहे थे और अब वे नायाब तहसीलदार के पद पर पदस्थ हैं। वे मुझे अपने साथ तैयारी करने के लिए इंदौर भी लेकर गए।

- **ग्रेजुएशन के दौरान रहने खाने के लिए पार्ट टाइम नौकरी की**

❍ सिविल सर्विस का सपना पूरा करने के लिए ग्रेजुएशन करने लोकेश 2015 में इंदौर आ गए। जिस साल इंदौर आए, उसी साल बहन की शादी थी। घर में थोड़े बहुत पैसे थे, वो भी शादी में खर्च हो गए। इंदौर में रहने-खाने का खर्च चलाने के लिए मां और पिता ने साल भर खाने के लिए रखे गेहूं भी बेच दिए, लेकिन ये भी पर्याप्त नहीं था। मां अपने घर के पास सब्जी उगाती, उन्हें बेचकर मेरी पढ़ाई के लिए पैसे जुटाती। इसके बाद भी पैसे कम पड़ जाते थे। इंदौर आ तो गए थे लेकिन यहां भी लोकेश के लिए संघर्ष कम नहीं था। पढ़ाई और रहने-खाने का खर्च निकालने के लिए इंदौर में छपने वाली विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की किताबों के लिए लेखन और इससे संबंधित काम करना शुरू कर दिया। इसी तरह कई बार विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए एग्जाम हॉल में असिस्टेंट की नौकरी कर लिया करते थे।

- **खुद को प्रेरित करने के लिए साहित्य का साथ, परिस्थितियों से मिली प्रेरणा**

❍ परेशानियां जीवन में निरंतर आती रहीं लेकिन इनसे खुद को विचलित ना करने के लिए लोकेश खुद को साहित्य के माध्यम से निरंतर प्रेरित करते हैं।

लोकेश ने जीवन में जिन परेशानियों को छात्र जीवन में देखा है वह कहते हैं कि उन्होंने ही उन्हें जीवन की दशा को बदलने के लिए लगातार प्रेरित किया। विपरीत परिस्थितियों में या तो इंसान बिखरता है या फिर निखरता है, इसलिए उन्होंने कड़ी मेहनत करके अपने जीवन की परिस्थितियों को बदल दिया।

लोकेश एक बार का किस्सा बताते हैं कि भंवरकुआं क्षेत्र में किराए से रहता था। 2017-18 में इंदौर में भारत-ऑस्ट्रेलिया का क्रिकेट मैच था। एक दोस्त ने कहा कि अगर वो उन्हें मैच के टिकिट लाकर देंगे तो प्रति टिकिट वो 400 रुपये देंगे।' लोकेश ने बताया कि भंवरकुआं से पैदल वे होल्कर स्टेडियम गए। रात 1 बजे से अगले दिन 4 बजे तक लाइन में लगे रहे पर टिकिट नहीं मिले। एक बार तो लगा की सब छोड़ दूं, पर कुछ विचारों ने आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और लगा कि इन हालातों को बदलने के लिए अभी रुक नहीं सकता।

- **परिवार और दोस्तों के साथ ने राह बनायी आसान**

❍ लोकेश कहते हैं कि कई बार परिस्थितियां विपरीत होती हैं जैसे कि कभी पेपर कठिन होता है, कभी आर्थिक चुनौतियां होती हैं तो कई बार किसी अन्य वजह से निराशा होती है। ऐसे में आत्मविश्वास, परिवार, आपके दोस्त, आसपास का वातावरण, परिवार का हर संभव सहयोग मिले तो हर राह आसान होती है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद घर में कभी किसी ने नहीं कहा कि कोई आसान परीक्षा की तैयारी कर लो, नौकरी या काम करने लगो। मेरे घर में आर्थिक परिस्थितियों के चलते कोई भी ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है। बड़े भैया भी सिर्फ 8वीं तक ही पढ़ सके। इसके बावजूद मुझे पढ़ाने के लिए सभी का सहयोग मिला।

लोकेश की इस कामयाबी में उनके दोस्तों का भी योगदान है। खासतौर पर शुभम का। लोकेश पिछले एक साल से भोपाल में रहकर पीएससी की तैयारी कर रहे थे। लोकेश कहते हैं कि शुभम और मेरा परिचय 10वीं क्लास में हरदा में हुआ था। कोविड में जब लोग अपनों का साथ नहीं दे रहे थे, रिश्ते दूर हो रहे थे। उस वक्त मेरे घर में कोई इंतजाम नहीं थे, तो मैं शुभम के घर पर ही हरदा में रहता था। शुभम के परिवार ने ही भोपाल में किराए का घर लिया था और 2018 में ग्रेजुएशन के बाद शुभम ने कहा कि भोपाल आ जाओ। जब डीएसपी की ज्वाइनिंग के लिए जा रहा था, तो वह और उसकी बहन स्टेशन पर आए थे मुझे छोड़ने के लिए। वह और उसका परिवार अब मेरे लिए मेरा अपना परिवार है। इसके अलावा मेघवाल सर, विकास सर, आशीष पटेल ने मुझे निरंतर मार्गदर्शन दिया।

- **ग्रेजुएशन के साथ पार्ट टाइम जॉब और पढ़ाई**

❍ ग्रेजुएशन के दौरान ही 2016 में लोकेश ने पढ़ाई शुरू कर दी थी। 2017-18 में सुबह उठकर पढ़ने के बाद जिस दिन जरूरी होता था कॉलेज जाता था। दोपहर 12 से शाम 6 बजे तक जॉब करता था। उसके बाद रात में आकर फिर पढ़ाई करता था। जुलाई 2018 में जब भोपाल आ गया तो यहां रहकर तैयारी की। दोस्त ने मना किया फिर भी लोकेश को लगा कि नहीं मैं कुछ कर सकता हूं और इस दौरान लोकेश ने कोचिंग की टेस्ट सीरीज की कॉपियां चेक करने का काम किया जिससे उसे कुछ आर्थिक सहयोग हो जाता था।

- **परीक्षा की रणनीति**

❍ प्रारंभिक परीक्षा को लक्ष्य बनाकर पूरी परीक्षा की तैयारी नहीं की जा सकती है। इसलिए प्री, मैन्स और इंटरव्यू तीनों को साथ में लेकर तैयारी करना बेहतर है। कोई भी टॉपिक पढ़ रहे हैं तो उसे मैन्स के हिसाब से तैयार करना चाहिए। इससे आप ज्यादा अच्छे ढंग से फैक्ट को याद करते हैं तो मैन्स के संग प्री की भी तैयारी हो जाती है क्योंकि इससे आप आन्सर फ्रेमिंग के बारे में भी सोचते हैं कि कौन से फैक्ट को पहले लिखना है, कौन सा फैक्ट बाद में जोड़ना है, राइटिंग समेत आप सारे पहलुओं के हिसाब से जवाब तैयार करते हैं। इसके साथ ही ऐसे में आपकी भाषा शैली, विचार, बोलने में कितनी सहजता होनी चाहिए यह सभी बेहतर हो जाते हैं, आपके इंटरव्यू की तैयारी भी इसमें हो जाती है।

- **तीन साल तक किया दिनचर्या का पालन**

❍ सुबह 4 से 5 बजे के बीच उठकर नियमित 30 मिनट योग या मेडिटेशन करता हूं और उसके बाद सुबह 10-11 बजे तक पढ़ने के बाद खाना खाने या अन्य काम के लिए 1 से 2 घंटे का समय निकालकर फिर से पढ़ता था। इसके बाद शाम में 30 मिनट टहलना, ग्रुप डिस्कशन दोस्तों के साथ करना। शाम में खाने के बाद फिर पढ़ने बैठ जाता था। हां रात में लगभग 10 बजे तक सो जाता था। इस तरह की दिनचर्या लंबे समय तक रही।

- **अपनी कमियों को पहचानकर पढ़ना होता है**

❍ किस विषय को कितनी देर पढ़ना है यह आप इस आधार पर तय कर सकते हैं कि आपको कौन सा विषय कठिन लग रहा है। आपकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि क्या है उस पर भी निर्भर करता है।

- **फैक्ट को याद रखने का तरीका**

❍ कठिन और मुश्किल तथ्यों को याद रखने के लिए दो या तीन डायरी रख सकते हैं और सोते समय उन्हें दोहरा सकते हैं। उसमें उन महत्वपूर्ण फैक्ट्स को नोट कर लें। अपने किसी साथी को बीच-बीच में पढ़कर या खुद से भी उन्हें बार-बार दोहराते रहना चाहिए।

- **प्री और मैन्स की परीक्षा की रणनीति**

❍ पढ़ते समय मैन्स की तैयारी करते समय आन्सर राइटिंग अवश्य करनी चाहिए जैसे कि यदि आप कोई टॉपिक पढ़ रहे हैं मान लीजिए आप प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के कार्य के बारे में पढ़ रहे हैं तो उन्हें लिखकर देखना चाहिए। बाद में यह देखें कि इसमें क्या सुधार किया जा सकता है।

- **प्रीलिम्स के लिए**

❍ प्रीलिम्स की परीक्षा देते समय छोटी-छोटी गलतियां नहीं करनी चाहिए जैसे कि कई बार ओएमआर शीट पर गोला भरते समय स्टूडेंट्स अपना ध्यान खो देते हैं और गोला गलत भर देते हैं जिससे कई बार प्री क्वालीफाई नहीं हो पाता है। इसलिए गोला सावधानीपूर्वक भरिए। दबाव मुक्त होकर ही परीक्षा दें। आप जितनी बार रिवीजन करेंगे आपको परीक्षा में कन्फ्यूजन नहीं होगा कि इसका आन्सर ए, बी, सी या डी है।

- **मार्गदर्शन की होती है आवश्यकता**

❍ कोचिंग ज्वाइन करना या ना करना प्रतियोगी का स्वयं का निर्णय होता है लेकिन सही मार्गदर्शन की आवश्यकता अवश्य होती है फिर वह कोचिंग के माध्यम से मिले, किसी साथी से या फिर किसी सीनियर या फैकल्टी। सही मार्गदर्शन सही दिशा में तैयारी में सहयोग करता है कि कौन सी किताब पढ़नी है, किस तरह से आन्सर राइटिंग करनी है या किस तरह से इंटरव्यू में जवाब देना है यह सब सही मार्गदर्शन के माध्यम से ही आसान होता है।

- **रिवीजन करने का तरीका**

❍ आप जिस भी टॉपिक को पढ़ रहे हैं उसके शॉर्ट्स नोट्स बनाते जाइए। उनको बार-बार दोहराते रहिए क्योंकि जब आप किताब से पढ़ रहे होते हैं तब उसे आप दोबारा नहीं पढ़ पाते हैं क्योंकि वह काफी बड़ी होती है और आपको कई विषयों को पढ़ना होता है। इसलिए रिवीजन के लिए शॉर्ट नोट्स जरूरी हैं। महत्वपूर्ण तथ्यों को भी इसी दौरान लिखते जाएं साथ ही सप्ताह में कोई एक दिन रिवीजन के लिए अवश्य रखें। इससे पूरी किताब माइंड में फ्रेम के रूप में तैयार हो जाएगी।

इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें

- **फॉर्म में दी जानकारी की तैयारी**

❍ व्यक्तिगत परिचय में आपने जो भी जानकारी फॉर्म में भरकर दी है, उसके प्रत्येक बिंदु को अच्छे से तैयार कर लें। किस स्कूल, कॉलेज से पढ़ाई की है, जिस विषय से पढ़ाई की है उसके संबंध में पढ़ लीजिए। अपने शहर-गांव, पृष्ठभूमि से जुड़ी जानकारी की तैयारी कर लें।

- **ग्रुप में चर्चा और मॉक इंटरव्यू**

❍ आपके साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे साथियों के साथ आप ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से इंटरव्यू की प्रेक्टिस कर सकते हैं। इसके अलावा मॉक इंटरव्यू और आइने के सामने खड़े होकर प्रेक्टिस भी कर सकते हैं।

- **समाचार-पत्र पढ़ना और अपनी समझ विकसित करना**

❍ समाचार-पत्र और अन्य पत्रिकाओं के माध्यम से देश-दुनिया के समाचारों से अवगत रहना चाहिए। साथ ही पढ़ने के बाद विविध विषयों पर अपनी समझ भी विकसित करना होगा जैसे कि नितिश कुमार ने दूसरे दल के साथ मिलकर सरकार बना ली तो इसे लेकर समस्त कानूनी, संवैधानिक तथ्यों को देते हुए समस्त पहलुओं पर विचार करते हुए संतुलित जवाब देना। यानी किसी भी मुद्दे पर अपना ओपीनियन रख सकें। **रोज़गार और निर्माण** समाचार पत्र में आने वाले करेंट अफेयर्स, वस्तुनिष्ठ प्रश्नों और सम-सामयिकी की जानकारी को परीक्षा के हिसाब से पढ़ना लाभदायक है। मैं भी इन्हें परीक्षा की तैयारी के दौरान पढ़ता था।

- **शॉर्ट नोट्स बनाने की तकनीक**

❍ आप जो भी टॉपिक पढ़ रहे हैं उसके सारे प्वाइंट आपको पता हों जैसे कि यदि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बारे में यदि मैं पढ़ रहा हूं तो मुझे पता होना चाहिए कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस क्या है? दो या तीन लाइन में मुझे परिभाषा पता होना चाहिए। उसके प्रमुख लाभ, संबंधित चुनौतियां या कमियां जैसे साइबर अपराध उन्हें लिख लेना चाहिए। इसके साथ ही सुझाव जो आप अपनी तरफ से देना चाहते हैं उन्हें लिख लेना चाहिए और सरकार द्वारा इस दिशा में क्या प्रयास किए जा रहे हैं उन्हें लिख लें। इस तरह एक पेज में समस्त जरूरी प्वाइंट टॉपिक से जुड़े कवर हो जाएंगे।

- **अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखिए**

❍ अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखना चाहिए साथ ही जितनी अधिक मेहनत संभव हो करें। अधिक से अधिक मेहनत करने से आपको कमियों को पता भी चलेगा और आप उन्हें सुधार भी सकेंगे। यदि आप मेहनत से पीछे हटेंगे तो ना आप अपनी कमियां सुधार सकेंगे और ना ही आगे बढ़ सकेंगे।

- प्रस्तुति सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

भारतीय संविधान

प्र. 1 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :
कथन :- 1 भारत में दैनंदिन जेल प्रशासन के लिये जेलों का अनुरक्षण राज्य सरकारें अपने नियमों और विनियमों से करती है।
कथन :- 2 भारत में जेल का नियंत्रण जेल अधिनियम 1894 द्वारा किया जाता है जिससे जेल का विषय स्पष्ट रूप से प्रांतीय सरकारों के नियंत्रण में हो रहा।
निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?
(अ) कथन-1 और कथन-2 दोनों सही हैं तथा कथन-2 कथन-1 की सही व्याख्या है
(ब) कथन-1 और कथन-2 दोनों सही हैं तथा कथन-2 कथन-1 की सही व्याख्या नहीं है
(स) कथन-1 सही है किन्तु कथन-2 सही नहीं है
(द) कथन-1 गलत है किन्तु कथन-2 सही है
उत्तर- (अ)

प्र. 2 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :
कथन :- 1 भारत के उच्चतम न्यायालय ने अपने कतिपय निर्णयों में यह विचारण किया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 16(4) के अधीन बनाई गई आरक्षण नीतियां प्रशासन की दक्षता को बनाये रखने के लिये अनुच्छेद 335 द्वारा सीमित होंगी।
कथन :- 2 भारत के संविधान का अनुच्छेद 335 प्रशासन की दक्षता पद को परिभाषित करता है।
निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?
(अ) कथन-1 और कथन-2 दोनों सही हैं तथा कथन-2 कथन-1 की सही व्याख्या है
(ब) कथन-1 और कथन-2 दोनों सही हैं तथा कथन-2 कथन-1 की सही व्याख्या नहीं है
(स) कथन-1 सही है किन्तु कथन-2 गलत है
(द) कथन-1 गलत है किन्तु कथन-2 सही है
उत्तर- (स)

प्र. 3 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :
1. एच.एन. सान्याल समिति की रिपोर्ट के अनुसरण में न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 पारित किया गया था।
2. भारत का संविधान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों को अपनी अवमानना के लिए दंड देने हेतु शक्ति प्रदान करता है।
3. भारत का संविधान सिविल अवमानना और आपराधिक अवमानना को परिभाषित करता है।
4. भारत में, न्यायालय की अवमानना के विषय में कानून बनाने के लिए संसद में शक्ति निहित है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(अ) केवल 1 और 2
(ब) 1, 2 और 4
(स) केवल 3 और 4
(द) केवल 3
उत्तर- (ब)

प्र. 4 भारतीय न्यायपालिका के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
1. भारत के राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्त किसी न्यायाधीश को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर बैठने और कार्य करने हेतु बुलाया जा सकता है।
2. भारत में किसी भी उच्च न्यायालय को अपने निर्णय के पुनर्विलोकन की शक्ति प्राप्त है, जैसी कि उच्चतम न्यायालय के पास है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(अ) केवल 1
(ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों
(द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर- (स)

प्र. 5 निम्नलिखित में से कौन भारत के संविधान का अभिरक्षक है?
(अ) भारत का राष्ट्रपति
(ब) भारत का प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा सचिवालय
(द) भारत का उच्चतम न्यायालय
उत्तर- (द)

प्र. 6 केन्द्र और राज्यों के बीच होने वाले विवादों का निर्णय करने की भारत के उच्चतम न्यायालय की शक्ति किसके अंतर्गत आती है?
(अ) परामर्शीय अधिकारिता
(ब) अपीलीय अधिकारिता
(स) मूल अधिकारिता
(द) रिट अधिकारिता
उत्तर- (स)

प्र. 7 निम्नलिखित में से उच्चतम न्यायालय की आरंभिक अधिकारिता में आते हैं?
1. भारत सरकार तथा एक या अधिक राज्यों के बीच का विवाद
2. संसद के किसी भी सदन या राज्य विधानमंडल में हुए चुनाव पर विवाद
3. भारत सरकार तथा किसी राजनीति पार्टी के बीच का विवाद
4. दो या अधिक राज्यों के बीच का विवाद
कूट :-
(अ) 1 और 2 (ब) 2 और 3
(स) 1 और 4 (द) 3 और 4
उत्तर- (स)

प्र. 8 कोई भी संविधान (संशोधन) कानून भारतीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित किया जा सकता है। यदि वह -
(अ) वर्तमान द्विस्तरीय संघीय व्यवस्था के स्थान पर तीन-स्तरीय व्यवस्था स्थापित करता है
(ब) विधि के समक्ष समानता के अधिकार को भाग 3 से हटाकर संविधान में अन्यत्र कहीं रखता है
(स) कार्यकारिणी की संसदीय व्यवस्था के स्थान पर अध्यक्षात्मक व्यवस्था रखता है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 9 विधायी शक्तियों की संघीय सूची में समाविष्ट किसी विषय के संबंध में भारत के उच्चतम न्यायालय के अधिकार क्षेत्र बढ़ाने का अधिकार दिया गया है?
(अ) भारत के राष्ट्रपति को
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(स) संसद को
(द) विधि न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय को
उत्तर- (स)

प्र. 10 भारत का उच्चतम न्यायालय कानून या तथ्य के मामले में राष्ट्रपति को परामर्श देता है?
(अ) अपनी पहल पर
(ब) तभी जब वह ऐसे परामर्श के लिए कहता है
(स) तभी जब मामला नागरिकों के मूलभूत अधिकारों से संबंधित हो
(द) तभी जब मामला देश की एकता और अखंडता के लिये खतरा पैदा करे
उत्तर- (ब)

प्र. 11 सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश का त्यागपत्र संबोधित होता है?
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(स) प्रधानमंत्री को
(द) सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को
उत्तर- (अ)

प्र. 12 भारत में सुधारात्मक याचिका उच्चतम न्यायालय में निम्न अनुच्छेद के अन्तर्गत दाखिल की जा सकती है?
(अ) 138 (ब) 140
(स) 142 (द) 146
उत्तर- (स)

प्र. 13 भारत में न्यायिक सक्रियता संबंधित है?
(अ) प्रतिबद्ध न्यायालय से
(ब) जनहित याचिका से
(स) न्यायिक पुनर्विलोकन से
(द) न्यायिक स्वतंत्रता से
उत्तर- (ब)

प्र. 14 निम्नलिखित कथनों पर विचार कर बताइये कि इनमें से कौन-सा एक सही है?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय केवल मूल क्षेत्राधिकार रखता है
(ब) यह केवल मूल एवं अपीलीय क्षेत्राधिकार रखता है
(स) यह केवल परामर्श संबंधी अपीलीय क्षेत्राधिकार रखता है
(द) यह मूल, अपीलीय और परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार रखता है
उत्तर- (द)

प्र. 15 संविधान की व्याख्या से संबंधित सभी विवाद सर्वोच्च न्यायालय के पास लाए जा सकते हैं?
(अ) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत
(ब) अपीलीय क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत
(स) परामर्श क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 16 किस कानून के अन्तर्गत यह विहित है कि भारत के उच्चतम न्यायालय की सम्पूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी?
(अ) उच्चतम न्यायालय कानून 1996 द्वारा
(ब) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145 द्वारा
(स) संसद द्वारा बनाए गए विधेयक द्वारा
(द) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 द्वारा
उत्तर- (द)

प्र. 17 संविधान के निर्वचन के बारे में विधि के सारवान प्रश्न से संबंधित वाद पर विचार करने के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या कम से कम कितनी होनी चाहिए?
(अ) 5 (ब) 7
(स) 9 (द) 13
उत्तर- (अ)

प्र.18 भारतीय संविधान में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान है?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय में
(ब) उच्च न्यायालय में
(स) जनपद तथा सत्र न्यायालयों में
(द) उपर्युक्त सभी में
उत्तर- (अ)

प्र. 19 भारत में संविधान की मूल संरचना (बुनियादी ढांचा) के सिद्धांत का स्रोत है?
(अ) सरकार
(ब) न्यायिक व्याख्या
(स) न्यायविदों के मत
(द) संसदीय कानून
उत्तर- (ब)

प्र. 20 भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत सर्वोच्च न्यायालय भारतीय नागरिकों के मूल अधिकारों की सुरक्षा करता है?
(अ) 74 (ब) 56
(स) 16 (द) 32
उत्तर- (द)

प्र. 21 संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहियों की जांच करना प्रतिबंधित किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 127
(ब) अनुच्छेद 122
(स) अनुच्छेद 126
(द) अनुच्छेद 139
उत्तर- (ब)

प्र. 22 संविधान का कौन-सा अनुच्छेद उच्चतम न्यायालय को उसके द्वारा दिए गये निर्णय अथवा आदेश के पुनर्विलोकन हेतु अधिकृत करता है?
(अ) अनुच्छेद 137
(ब) अनुच्छेद 130
(स) अनुच्छेद 139
(द) अनुच्छेद 138
उत्तर- (अ)

प्र. 23 भारत का सर्वोच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय है। इसका आशय है?
(अ) इसके सभी निर्णयों का साक्षात्मक मूल्य होता है। न्यायालय के सभी निर्णयों को संभाल कर रखा जाता है।
(ब) इसे अपनी अवमानना करने वाले को दंडित करने का अधिकार प्राप्त नहीं है।
(स) उपरोक्त दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 24 भारत के नीचे दिये गये न्यायालयों में से किन्हें अभिलेख न्यायालय माना जाता है?
(अ) केवल उच्च न्यायालय को
(ब) केवल उच्चतम न्यायालय को
(स) उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय को
(द) जनपद न्यायालय को
उत्तर- (स)

प्र. 25 उच्चतम न्यायालय मामलों की सुनवाई नई दिल्ली में करता है परन्तु किसी अन्य स्थान पर भी सुनवाई कर सकता है?
(अ) राष्ट्रपति के अनुमोदन से
(ब) यदि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बहुमत से यह तय करें
(स) संसद के अनुमोदन से
(द) राज्य विधानसभा के अनुरोध से
उत्तर- (अ)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर , टी.व्ही. टॉवर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)
क्र. -एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक/2024/1253 जबलपुर, दिनांक : 07.06.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **www.mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु. लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक विकास केन्द्र मनेरी एवं फूडपार्क मनेरी, जिला मंडला की जल प्रदाय योजना का एक वर्ष की अवधि में संचालन व संधारण करने का कार्य।	0.60	रु. 5900.00 जी.एस.टी. सहित	रु. 29.74 लाख	01 वर्ष वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डॉक्युमेंट उपरोक्त ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/114759/2024 R-49665/2024 **कार्यकारी संचालक**

विश्व रक्तदाता दिवस : 14 जून

आपका छोटा सा प्रयास किसी के लिए है बड़ा जीवनदान

"यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
अखण्ड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिये मरे।।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
अहा! वही उदार है परोपकार जो करे,
वहीं मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।"

ये पंक्तियां महान कवि मैथिलीशरण गुप्त की हैं, जो हमें मनुष्यता के विभिन्न पहलुओं के बारे में सोचने को मजबूर करती हैं। कवि ने अपनी रचना के माध्यम से बताया है कि सही मायने में मनुष्य होना क्या है। हम निस्वार्थ भाव से सेवा करके कई अन्य मनुष्यों के जीवन में काम आ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर आपके द्वारा किया गया दान दूसरों की जिंदगी को बदल सकता है, दुनिया में सबसे बड़ा दान रक्तदान और अंगदान को माना जाता है। रक्त के बिना जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती है। रक्त की मदद से ही हमारे शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचती है और इसकी वजह से ही हमारा शारीरिक तंत्र सुचारु रूप से काम करता है। कभी-कभी किसी बीमारी या दुघर्टना के कारण शरीर में ब्लड या रक्त की कमी हो जाती है, ऐसे में रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ये रक्त लोगों के द्वारा किए गए रक्तदान से ही सुलभ हो पाता है। रक्तदान की वजह से हम कई जिंदगी बचा सकते हैं, इसीलिए दुनिया भर में लोगों को ब्लड डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जाता है। रक्तदान के महत्व के बारे में दुनियाभर के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 14 जून को वर्ल्ड ब्लड डोनर डे या विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

क्यों और कब से मनाया जा रहा है यह दिवस?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ की ओर से 2004 में पहली बार वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाने के बारे में विचार किया गया था। इसके अगले साल यानी वर्ष 2005 में वर्ल्ड हेल्थ असेंबली की 58वीं महासभा में ब्लड डोनेट करने के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 14 जून को हर साल दुनियाभर में वर्ल्ड ब्लड डोनर डे के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया। 14 जून की तारीख का चयन इसलिए किया गया क्योंकि इस दिन ऑस्ट्रियन-अमेरिकी वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर का जन्मदिन होता है। लैंडस्टीनर को एबीओ ब्लड ग्रुप की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

इस वर्ष की थीम : 'Celebrating 20 years of giving : thank you, blood donors!'

विश्व रक्तदाता दिवस हर वर्ष किसी एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। चूंकि इस वर्ष विश्व रक्तदाता दिवस के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं ऐसे में इस बार की थीम 20 साल जिन्होंने रक्तदान किया है उनको धन्यवाद देने तथा 20 वर्षों के जश्न को मनाने के लिए Celebrating 20 years of giving: thank you, blood donors! थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम का उद्देश्य उन लाखों स्वैच्छिक रक्त दाताओं को धन्यवाद देना है, जिन्होंने दुनिया भर के लाखों लोगों के स्वास्थ्य और वेलनेस में योगदान दिया है। ब्लड डोनेशन यानी रक्तदान को सबसे अहम उपकार माना जाता है। सुरक्षित रक्त जीवन बचाता है। जब भी और जहां भी जरूरत हो, वहां रक्त हमेशा और पर्याप्त संख्या उपलब्ध रहे इसके लिए स्वस्थ लोगों द्वारा नियमित रक्तदान करने की अहम आवश्यकता है। विश्व रक्तदाता दिवस के दिन कई जगहों पर ब्लड डोनेशन कैंप यानी रक्तदान शिविर भी लगाए जाते हैं।

पिछले पांच वर्षों की थीम इस प्रकार हैं :-

- **2023** : Give blood, give plasma, share life, share often
- 2022 : Donating blood is an act of solidarity. Join the effort and save lives
- 2021 : Give blood and keep the world beating
- 2020 : Safe blood saves lives
- 2019 : Safe blood for all

रक्तदान के फायदे अनेक

अगर आप रक्तदान करने जाते हैं तो आपको फ्री में फिजिकल चेकअप भी मिल जाता है, रक्तदान से पहले डोनर की पूरी तरह जांच होती है। नियमित रूप से रक्तदान करने वालों की बॉडी में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है, जिससे दिल की बीमारी और कैंसर का खतरा कम होता है। रक्तदान से फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ मेंटल हेल्थ ठीक रहती है, किसी का जीवन बचाने में योगदान व्यक्ति को मानसिक संतोष प्रदान करता है। ब्लड डोनेशन से अधिक कैलोरी बर्न होती हैं, ऐसे में रक्तदान के बाद अगर आप हेल्दी डाइट लेते हैं तो आपका वजन तेजी से कम हो सकता है।

कितने अंतराल के बाद कर सकते हैं रक्तदान

एक स्वस्थ व्यक्ति तीन महीने के अंतराल में रक्तदान कर सकता है। हमारे शरीर में 90 से 120 दिन के अंदर रेड ब्लड सेल्स (लाल रक्त कोशिकाएं) अपने आप डेड (मृत) हो जाती हैं और नए सेल्स बनती हैं, इसी वजह से तीन महीने के बाद फिर से रक्तदान करने की सलाह दी जाती है। वहीं प्लेटलेट्स डोनेट करने से पहले आपको रक्तदान करने के बाद कम से कम 7 दिन इंतजार करना जरूरी होता है। ब्लड डोनेट करने के बाद आराम करना बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहीं आराम के साथ ही पर्याप्त मात्रा में भोजन करना चाहिए। रक्तदान के बाद ब्लड सेंटर से आपको रिफ्रेशमेंट दिया जाता है, उसे ग्रहण करना चाहिए। रक्तदान से कमजोरी नहीं होती, यह एक गलत धारणा है। एक व्यक्ति के शरीर में 5-6 लीटर रक्त होता है और वह हर 90 दिन (3 महीने) में रक्तदान कर सकता है। शरीर बहुत जल्दी यानी 24 से 48 घंटों के भीतर ही खून, लगभग 3 सप्ताह में लाल रक्त कोशिकाएं और मिनटों के भीतर प्लेटलेट्स तथा श्वेत रक्त कोशिकाओं की रिकवरी कर सकता है।

इससे कोई कमजोरी नहीं आती।

कौन रक्तदान कर सकता है कौन नहीं?

कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी उम्र 18-65 साल है वे रक्तदान कर सकता है। अगर आप ब्लड डोनेट करना चाहते हैं तो आपका हीमोग्लोबिन का लेवल 12.5 ग्राम से कम नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही ब्लड देने वाले का वजन 45 किलोग्राम से कम नहीं होना चाहिए। अगर आपको एक साल में हेपेटाइटिस या पीलिया की समस्या रही है तो आपको ब्लड डोनेट नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही अगर आपका किसी गंभीर बीमारी का इलाज चल रहा हो तो ब्लड डोनेट न करें। किसी तरह के एंटीबायोटिक्स ले रहे हैं तो रक्तदान न करें। मिर्गी, अस्थमा, ब्लीडिंग डिसऑर्डर, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, पॉलीसिथीमिया के मरीज को रक्तदान नहीं करना चाहिए। पिछले एक साल में टैटू कराया है या एक्यूपंक्चर थेरेपी ली है, तो ब्लड डोनेट नहीं कर सकते। डायबिटीज में इंसुलिन का इंजेक्शन ले रहे लोग ब्लड डोनेट नहीं कर सकते हैं। रक्तदान के बाद अगर आपको जरा भी बेचैनी या परेशानी महसूस हो, तो तत्काल ब्लड सेंटर से संपर्क करें।

कौन किसे रक्त दे सकता है?

- A+ ब्लड ग्रुप वाले A+ और AB+ ग्रुप वाले लोगों को अपना रक्त दे सकते हैं।
- A- ब्लड ग्रुप वाले डोनर A+, AB+, A- और AB- ग्रुप वाले लोगों को अपना रक्त दे सकते हैं।
- B+ ब्लड ग्रुप वाले लोग B+ और AB+ ग्रुप वाले लोगों को रक्तदान कर सकते हैं।
- B- ब्लड ग्रुप वाले डोनर B-, B+, AB- और AB+ ग्रुप वाले लोगों को डोनेट कर सकते हैं।
- O+ ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति A+, B+, AB+ और O+ ग्रुप वाले लोगों को रक्तदान कर सकते हैं।
- O- ब्लड ग्रुप वाले यूनिवर्सल डोनर किसी भी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को डोनेट कर सकते हैं।
- AB+ ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति AB+ ग्रुप वाले लोगों को अपना रक्तदान कर सकते हैं।
- AB- ब्लड ग्रुप वाले लोग AB- और AB+ ब्लड ग्रुप वाले को डोनेट कर सकते हैं।

रक्त केंद्रों के संचालन के संबंध में शीर्ष नीति निर्माणकारी निकाय है एनबीटीसी

एनबीटीसी का पूरा नाम नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल है, जिसे राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद के नाम से भी जाना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार वर्ष 1996में राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद का गठन किया गया था। एनबीटीसी रक्त केंद्रों के संचालन से संबंधित सभी मामलों के संबंध में शीर्ष नीति निर्माणकारी निकाय है। यह केंद्रीय निकाय है जो राज्य रक्त आधान परिषदों (एसबीटीसी) का समन्वय करता है। रक्त संचार सेवा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के लिये अन्य मंत्रालयों तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों में शामिल होना भी एनबीटीसी सुनिश्चित करता है। इसका एक कार्य राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) और राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद में समन्वय प्रभाग के रूप में कार्य करना भी है। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना, सुरक्षित रक्त आधान सुनिश्चित करना, रक्त केंद्रों को बुनियादी ढाँचा प्रदान करना और मानव संसाधनों विकास करना जैसे इसके उद्देश्य हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य और आंकड़े

- रिचर्ड लोअर रक्तदान के विज्ञान की जांच करने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने जानवरों के साथ यह प्रयोग किया था। वे बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के दो डॉग्स के बीच सफलतापूर्वक रक्त टांसफ्यूज़ करने में सफल रहे थे।
- विश्व का पहला ब्लड बैंक वर्ष 1937 में रेडक्रॉस की पहल पर अमेरिका में खुला था। विश्व के अधिकांश ब्लड बैंकों का संचालन रेडक्रॉस एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा किया जाता है।
- WHO के अनुसार दुनिया भर में लगभग 118.54 मिलियन ब्लड डोनेशन एकत्र किया जाता है। इनमें से 40 प्रतिशत उच्च आय वाले देशों में एकत्र किए जाते हैं, जहां दुनिया की 16 प्रतिशत आबादी रहती है।
- किस व्यक्ति का का रक्त समूह क्या हैं ये एंटीजन से निर्धारित होता है। सबसे सामान्य चार रक्त समूह A, B, AB और O हैं। इसके आधार पर रक्त समूह 8 तरह के होते हैं A+, A-, B+, B-, O+, O-, AB+ और AB-
- ब्लड या खून जिन लाल रक्त कोशिकाओं से बना होता है, उनके ऊपर प्रोटीन की एक परत होती है, जिन्हें एंटीजन या Rh कहा जाता है। Rh या तो पॉजिटिव होता है या नेगेटिव। ब्लड टाइप A में सिर्फ़ एंटीजन A होते हैं, ब्लड B में सिर्फ B, ब्लड AB में दोनों एंटीजन होते हैं और टाइप O में दोनों ही नहीं होते हैं।
- O ब्लड ग्रुप वाले लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, ऐसे लोगों में न तो एंटीजन A, B होते हैं और न ही RhD, इस कारण से ये ग्रुप किसी भी दूसरे ब्लड ग्रुप में आसानी से मिल जाता है। यही वजह है कि O ब्लड ग्रुप वालों का खून किसी को भी आसानी से चढ़ाया जा सकता है। हालांकि सही मायने में यूनिवर्सल डोनर O- है, क्योंकि ये रक्त किसी को भी चढ़ाया जा सकता है। जबकि O+ ब्लड ग्रुप सिर्फ A+, B+, AB+ और O+ को ही चढ़ाया जा सकता है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामियक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

ADVERTISEMENT

SRI SATHYA SAI COLLEGE FOR WOMEN, BHOPAL
(NAAC Accredited "A" Grade Autonomous College)
Kasturba Hospital Road, Habibganj, Bhopal-462024
E-mail : ssswcbhopal@yahoo.in, Phone : 0755-2451119

Applications are invited only from female candidates for the post Principal of Law College
Post : 01, Qualifications : As per UGC norms.
This post is covered under Barkatullah University norms (college code-28) and Bar Council of India Rules. This post is management paid post.
Application should be made on plain paper enclosing complete bio-data with attested copies of testimonials, recent passport size photo and copy of Aadhar Card.
Application, as above, from the interested candidates should reach the office of the college on or before **17.06.2024**

R-49664/2024 **DIRECTOR/PRINCIPAL**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री संभाग क्रमांक- 01
कार्यालय भवन 1558 गोरखपुर थाने के पीछे, ऋषि कॉटेज रतन कॉलोनी कटंगा, जबलपुर (म.प्र.), पिनकोड-482002 फोन नं. : 0761-4927201
Email : mpphcjabalpur@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-01 के अंतर्गत खेल विभाग की **''खेलो इंडिया''** योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य आर्चरी ऐरिना, तकनीकी बिल्डिंग, हॉस्टल बिल्डिंग एवं स्पेटेक्टर्स गैलरी, रांझी जबलपुर में उच्चदाब 1x315 KVA का बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 01 वर्ष 2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2024_MPPHC_ 349421_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.06.2024 तक खरीदकर सायं 17:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/114740/2024 R-49662/2024 **परियोजना यंत्री**

तेजपुर विश्वविद्यालय

पद का नाम - प्रोफेसर (सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, फूड इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, भौतिकी, केमिकल विज्ञान, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक अध्ययन, सामाजिक कार्य, शिक्षा, विधि, कॉमर्स, असमी, डिजाइन, विदेशी भाषाएं, अंग्रेजी, भाषा विज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी), एसोसिएट प्रोफेसर (कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी, शिक्षा, व्यवसाय प्रशासन, डिजाइन, विदेशी भाषाएं, कॉमर्स, जनसंचार और पत्रकारिता), सहायक प्रोफेसर (मैकेनिकल इंजीनियरिंग, केमिकल विज्ञान, शिक्षा, फूड इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, जनसंचार और पत्रकारिता)

पदों की संख्या - 75

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 15 जून 2024

वेबसाइट - https://www.tezu.ernet.in/indexh.html

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना, चंडीगढ़

पद का नाम - कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (जेआरएफ)

पदों की संख्या - 12

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 19 और 20 जून 2024 को सीधा साक्षात्कार

वेबसाइट - https://www.drdo.gov.in/drdo/hi/labs-and-establishments/defence-geoinformatics-research-establishment-dgre

गति शक्ति विश्वविद्यालय

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर (सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, फाइनेंस और अकाउंट्स)

पदों की संख्या - 33

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 30 जून 2024

वेबसाइट - https://gsv.ac.in/

गुजरात हाई कोर्ट

पद का नाम - डिप्टी सेक्शन ऑफिसर

पदों की संख्या - 122

योग्यता - 10वीं और 12वीं पास होने के साथ किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएट होना चाहिए। कंप्यूटर की बेसिक जानकारी होना जरूरी है। उम्र 18 से लेकर 35 साल के बीच होनी चाहिए। रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र सीमा में छूट दी जाएगी।

अंतिम तिथि - 15 जून 2024

वेबसाइट - https://gujarathighcourt.nic.in/

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - शिक्षा और विकास कार्यक्रम में 2 वर्षीय मास्टर ऑफ आर्ट्स

योग्यता - किसी भी विषय में 3 वर्षीय या 4 वर्षीय स्नातक की डिग्री और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा - पीजी 2024 के पेपर COQP11 उत्तीर्ण होना जरूरी

अंतिम तिथि - 16 जून 2024

वेबसाइट - https://www.niepa.ac.in/

राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - एमबीए (पावर मैनेजमेंट)

योग्यता - उम्मीदवारों के पास CAT/GMT/CUET/XAT/CMAT/MAT का वैध स्कोर कार्ड होना चाहिए या एनपीटीआई प्रवेश परीक्षा 2024 में उपस्थित होना चाहिए। साथ ही किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक।

अंतिम तिथि - 19 जून 2024

वेबसाइट - https://www.npti.gov.in/

प्रतियोगिता और पुरस्कार

एएमएस वैदर बैंड फोटो कॉन्टेस्ट 2024

किनके लिये - 13 वर्ष से अधिक उम्र के नए और प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स हिस्सा ले सकते हैं। इसमें मौसम, पानी और जलवायु की तस्वीरें भेजनी हैं। इसमें समुद्र, बादलों और लहरों की फोटो भेजी जा सकती हैं।

योग्यता - वॉटरमार्क वाली फोटो स्वीकार्य नहीं है। फोटो न्यूनतम 2 हजार पिक्सल की होनी चाहिए। फोटो जेपीजी फॉर्मेट में ही भेजें। फोटो साइज अधिकतम 5 एमबी का होना चाहिए।

क्या मिलेगा - प्रतियोगिता में पहले स्थान पर आने पर 42 हजार रुपए और दूसरे स्थान पर आने पर 25 हजार रुपए कैश प्राइज दिया जाएगा।

अंतिम तिथि - 30 अगस्त 2024

वेबसाइट - https://amsweatherband.org/index.cfm/weatherband/weather-band-photo-contest/

लैडबरी पोएट्री कॉम्पिटिशन 2024

किनके लिये - लिखने के शौकीन लोगों के लिए। 18 वर्ष से अधिक उम्र के उम्मीदवार हिस्सा ले सकते हैं। कविता अंग्रेजी में लिखी हो। अधिकतम 10 कविताएं भेज सकते हैं।

योग्यता - अधिकतम 40 पंक्तियों की कविता होनी चाहिए। कविता पीडीएफ फाइल में भेजनी होगी।

क्या मिलेगा - प्रतियोगिता के पहले विजेता को 1 लाख रुपए मिलेंगे और एक हफ्ते का पोएट्री कोर्स कराया जाएगा। दूसरे स्थान पर रहने वाले को 53 हजार रुपए और तीसरे स्थान पर रहने वाले को 26 हजार रुपए मिलेंगे। विजेताओं को लैडबरी पोएट्री फेस्टिवल 2025 में आमंत्रित किया जाएगा।

अंतिम तिथि - 08 जुलाई 2024

वेबसाइट - https://ledburypoetry.org.uk/home/ledbury-poetry-competition-2024/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस : 12 जून

बाल श्रम निषेध के लिये जागरूकता जरूरी

बाल श्रम की समस्या विश्व के अधिकांश देशों में मानवता और सभ्यता के खिलाफ एक बड़ी चुनौती बन गई है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबन्ध और उसके निषेध के लिये समय-समय पर विभिन्न प्रकार के कदम भी उठाए गए हैं। बाल श्रम निषेध के लिये जन जागरूकता अभियान के साथ-साथ विधिक उपाय भी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में दुनियाभर में बाल श्रम के निषेध के लिये हर साल 12 जून को **''विश्व बाल श्रम निषेध दिवस''** मनाया जाता है। बाल श्रम को प्रतिबन्धित करने के लिये विभिन्न देशों द्वारा अथक और सतत प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में अपेक्षित सुधार न होना चिन्तनीय है और इस दिशा में इस दिन व्यापक विमर्श के पश्चात ऐसे उपाय किये जाते हैं, जिससे इस समस्या की जड़ पर प्रहार की राह बने। बाल श्रमिकों की समस्या एक वैश्विक समस्या है मगर भारत जैसे विकासशील देशों में इस समस्या पर गंभीर प्रयास हुए हैं, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि बाल श्रमिकों के उन्मूलन के लिए भारत के एक्टिविस्ट कैलाश सत्यार्थी को इस दिशा में उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण कार्य के लिये शान्ति का नोबल पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। भारत सहित अनेक देशों में शिक्षा के विस्तार के साथ इस समस्या के समाधान की युक्ति पर भी विचार हो रहा है। बाल श्रम के निषेध की दिशा में आम आदमी की आर्थिक स्थिति में सुधार यानी गरीबी उन्मूलन और बच्चों की शिक्षा पर जोर जरूरी कारक माने जा रहे हैं।

बाल श्रम की स्थिति पर व्यापक विमर्श का दिन

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की वैश्विक समस्या पर ध्यान केंद्रित करना और बाल श्रम को पूरी तरह से खत्म करने के लिये आवश्यक प्रयास करना था। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनीसेफ की रिपोर्ट पर आधारित नवीनतम वैश्विक अनुमान बताते हैं कि दुनियाभर में बाल श्रम में बच्चों की संख्या अब बढ़कर एक सौ साठ मिलियन (सोलह करोड़) हो गई है। पिछले चार वर्षों में इसमें चौरासी लाख की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 की शुरुआत में विश्व स्तर पर त्रेसठ मिलियन लड़कियां और सन्तयानवे मिलियन लड़के बाल श्रम में थे, जो दुनियाभर के बच्चों का लगभग दस प्रतिशत थे। इस रिपोर्ट में यह चेतावनी भी अंतर्निहित है कि बीस साल में पहली बार बाल श्रम को समाप्त करने के लिए वैश्विक प्रगति रुकी हुई है। पांच से सत्रह वर्ष की आयु के बच्चे जो ऐसे खतरनाक नियोजन में कार्यरत हैं जो उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा या नैतिकता को नुकसान पहुंचा सकते हैं उनकी संख्या भी जो वर्ष 2016 में साढ़े छः मिलियन थी वो 2020 में बढ़कर उन्यासी मिलियन हो गई है जो चिन्ता का विषय है। ऐसे खतरनाक श्रम में हाथों से सफाई, निर्माण में जुटे, कल-कारखानों में काम कर रहे, कृषि में बड़े मजदूरों के समकक्ष काम कर रहे हैं, खदानों में काम, भवन निर्माण के काम, फेरी लगाकर उपभोक्ता सामग्री बेचने के काम और घरेलू नौकर के रूप में काम करने वाले बच्चे शामिल हैं। इस तरह के श्रम बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और नैतिक विकास को तो खतरे में डालते ही हैं इसके कारण बच्चे सामान्य बचपन और उचित शिक्षा से भी वंचित रह जाते हैं।

एक पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ है , बाल श्रम

12 जून
विश्व बालश्रम
निषेध दिवस
बच्चे देश का भविष्य हैं, हम सबका दायित्व है कि उन्हें बेहतर कल दें
ताकि सुनहरे कल का निर्माण हो सके...
आइये हम विश्व बालश्रम निषेध दिवस
को सार्थक बनाने में सहयोग करें

बाल श्रम आमतौर पर मजदूरी के भुगतान के बिना या भुगतान के साथ बच्चों से शारीरिक कार्य करवाना है। बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है। यूनीसेफ के अनुसार, बच्चों को काम पर इसलिये रखा जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है, इसके अलावा जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता (वे अपने बच्चों को स्कूल की बजाय काम पर भेजने के इच्छुक होते हैं, ताकि परिवार की आय बढ़ सके) - यह कुछ अन्य कारण हैं। भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अन्धकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या है।

कोरोना काल में हुई थी बाल श्रम की बढ़ोतरी

कोरोना वायरस के फैलने से लगे लॉकडाउन ने दुनिया और भारत में मानव जीवन और आजीविका को, गम्भीर रूप से प्रभावित किया था। हालांकि, लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद के लिए सामाजिक दूरी के मानदण्डों का पालन कर रहे थे, फिर भी विशेषज्ञों के अनुसार जैसी कि आशंका थी कुछ बच्चे लॉकडाउन के निवारक उपायों के कारण बाल श्रम के शिकार हुए। भारत सरकार ने महामारी के बाद से देशव्यापी स्कूल बन्द करने की घोषणा की। विशेषज्ञों के अनुसार इस बन्द ने उन बच्चों को बुरी तरह प्रभावित किया जो पहले से ही शिक्षा का लाभ नहीं ले रहे हैं। इस स्थिति ने अनेक कमजोर वर्ग के बच्चों को बाल श्रम में धकेल दिया गया।

जिस पर कोरोना संक्रमण के बाद विशेषज्ञों ने विचार कर उपचारात्मक उपाय किए। भारत में किसानों और खेतिहर मजदूरों के बच्चों पर भी इसका प्रभाव पड़ा। घर पर होने से उनके बच्चे खेतों में बुआई और कटाई के दौरान माता-पिता की मदद करने लगे। कारखानों, खेती या अन्य काम काज में लगे दिहाड़ी मजदूर, पैसा कमाने में असमर्थ थे। उन्हें परिवार का पालन पोषण करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य स्थिति फिर से स्थापित होने के बाद भी बड़ी संख्या में बच्चे अपनी शिक्षा जारी नहीं रख सके और ऐसे स्कूली बच्चों में से एक बड़ी संख्या में बाल श्रम में लिप्त होने की आशंका रही मगर भारत सरकार ने इस स्थिति पर भी नियंत्रण पा लिया।

बाल श्रम निषेध के प्रावधान भारतीय संविधान में हैं

संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप भारत का संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धातों की विभिन्न धाराओं के माध्यम से कहता है कि चौदह साल के कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्टरी या खदान में काम करने के लिये नियुक्त नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य खतरनाक नियोजन में नियुक्त किया जाएगा। इसी प्रकार राज्य अपनी नीतियाँ इस तरह निर्धारित करेंगे कि श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी क्षमता सुरक्षित रह सके तथा बच्चों का कम उम्र में शोषण न हो एवं आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये वे अपनी उम्र व शक्ति के प्रतिकूल काम न करें। बच्चों को स्वस्थ तरीके से स्वतंत्र व सम्मानजनक स्थिति में विकास के अवसर तथा सुविधाएं दी जायेंगी और बचपन व जवानी को नैतिक व भौतिक दुरुपयोग से बचाया जाएगा। संविधान लागू होने के दस साल के भीतर राज्य चौदह वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे यह भी तय किया गया था। संविधान में यह प्रावधान भी किया गया है कि बाल श्रम एक ऐसा विषय रहेगा जिस पर संघीय व राज्य सरकारें, कानून बना सकेंगी. गोया हमारे संविधान में बाल श्रम निषेध की समुचित व्यवस्था है जरूरत है केवल उस पर प्रभावी अमल की।

बाल श्रम निषेध के लिये भारत सरकार के कदम

भारत में केन्द्र सरकार द्वारा बाल श्रम निषेध के लिये कई महत्वपूर्ण विधिक कदम उठाये हैं। इनमें सबसे प्रमुख है- बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986 का लागू होना। इस पारित कानून में चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी अवैध पेशे और सत्तावन अधिसूचित प्रक्रियाओं में, जिन्हें बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिये अहितकर माना गया है उनमें नियोजन को निषिद्ध बनाता है। इन पेशों और प्रक्रियाओं का उल्लेख कानून की अनुसूची में किया गया है। इधर कारखाना अधिनियम, 1948 में भी बाल श्रम निषेध के प्रावधान है। यह कानून चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है इस कानून के अनुसार पन्द्रह से अट्ठारह वर्ष तक के किशोर किसी फैक्टरी में तभी नियुक्त किये जा सकते हैं, जब उनके पास किसी अधिकृत चिकित्सक का फिटनेस प्रमाण पत्र हो। इस कानून में इस आयु के बच्चों के लिये हर दिन साढ़े चार घंटे की कार्यावधि तय की गई है और उनके रात में काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई में महत्त्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से आया, जिसमें संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं और पेशों में काम करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें काम से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया गया। न्यायालय ने यह आदेश भी दिया था कि एक बाल श्रम पुनर्वास सह कल्याण कोष की स्थापना की जाए, जिसमें बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं के अंशदान का उपयोग हो।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

अल हिलाल ने जीता किंग्स कप का खिताब

जेद्दाह, अल हिलाल क्लब ने सऊदी अरब की फुटबॉल लीग किंग्स कप का खिताब जीत लिया है। अल हिलाल ने टूर्नामेंट के फाइनल में अल नासर को पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। अल हिलाल ने 11वीं बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है। मैच में पहला गोल अल हिलाल के एलेक्जेंडर मितरोविक ने सातवें मिनट में किया। पहले हाफ में स्कोर 1-0 से अल हिलाल के पक्ष में रहा। दूसरे हाफ में भी अल नासर टीम गोल करने के लिए संघर्ष करतीं नजर आयी। एक समय लग रहा था कि अल हिलाल 1-0 से मैच जीत लेगा, लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम क्षणों (88वें मिनट) में अल नासर के अयमान याहया ने गोल कर मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में अल हिलाल ने 5-4 से जीत दर्ज की।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप-2024

भारत ने जीत के साथ किया आगाज

न्यूयॉर्क, आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। भारत ने विश्वकप में अपने पहले लीग मुकाबले में आयरलैंड को 8 विकेट से हराया।

मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय गेंदबाजों ने अपने कप्तान के इस निर्णय को सही साबित किया। अर्शदीप सिंह ने अपने दूसरे ओवर में आयरलैंड को दोहरे झटके देते हुए सलामी बल्लेबाज एंडी बालबर्नी और पॉल स्टर्लिंग को आउट किया।

हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने घातक गेंदबाजी की, जिसके कारण आयरलैंड के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आये। आयरलैंड की टीम 16 ओवरों में 96 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत भी खराब रही। ओपनिंग करने उतरे स्टार बल्लेबाज विराट कोहली महज एक रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने शुरुआत में संभलकर खेला, लेकिन लय हासिल करने के बाद उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये। रोहित 37 गेंदों में 52 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए। उनके बाद बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार यादव भी जल्द पवेलियन लौट गए। वहीं दूसरे छोर पर ऋषभ पंत ने तेजतर्रार बल्लेबाजी जारी रखी और भारत को 12.2 ओवरों में लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। पंत ने नाबाद 36 रन बनाये।

- रोहित शर्मा ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच (43) जीतने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं।
- रोहित से पहले महेंद्र सिंह धोनी ने बतौर कप्तान 42 मैच जीते थे।
- मैच के दौरान रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 600 छक्के पूरे कर लिए हैं।

ड्रॉप इन पिच पर भड़के रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क के नसाऊ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम की जिस पिच पर भारत और आयरलैंड के बीच मुकाबला खेला गया वह ड्रॉप इन पिच थी। इस पिच पर गेंदों को असमान उछाल मिल रहा था। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा विश्वकप में ड्रॉप इन पिच के इस्तेमाल से नाखुश दिखे। उन्होंने कहा कि इस पिच पर तेज गेंदबाजों को बहुत मदद मिली। असमान उछाल होने के कारण बल्लेबाजों और फील्डरों को चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है।

ओलंपिक से पहले यूरोप में ट्रेनिंग करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी और टोक्यो ओलंपिक के चैम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक से पहले यूरोप में तीन जगहों पर ट्रेनिंग करेंगे। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने नीरज की आगामी ओलंपिक की तैयारी के लिए कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाह के साथ 60 दिनों के लिए यूरोप में प्रशिक्षण लेने की योजना को मंजूरी प्रदान की है। नीरज पेरिस ओलंपिक से पहले फिनलैंड, जर्मनी और तुर्किये में 60 दिनों तक प्रशिक्षण लेंगे।

बजरंग पूनिया पर लगा अस्थाई प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासन पैनल ने पहलवान बजरंग पूनिया को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिये जाने तक उन पर लगा अस्थाई प्रतिबंध हटा दिया है। पूनिया ने चयन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद नाडा ने पूनिया पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया था। बजरंग ने इस अस्थाई प्रतिबंध के खिलाफ अपील की थी। अनुशासन पैनल ने कहा कि एथलीट का अस्थाई निलंबन तब तक के लिए रद्द किया जाता है, जब तक कि एथलीट को आरोप लगाने का नोटिस जारी करने का निर्णय नहीं लिया जाता है।

आईसीसी ने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट को दिया लिस्ट-ए दर्जा

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टूर्नामेंट को आधिकारिक 'लिस्ट ए' दर्जा प्रदान किया है। आईसीसी का उद्देश्य खेल के सबसे बड़े मार्केट में से एक अमेरिका में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाना है। आईसीसी के इस कदम से एमएलसी को आधिकारिक ट्वेंटी-20 लीग और अमेरिका की पहला घरेलू विश्व स्तरीय टूर्नामेंट का दर्जा मिल गया है।

आईसीसी ने कहा कि एमएलसी को शुरुआती सत्र की सफलता के बाद लिस्ट ए दर्जा मिल रहा है। यह अमेरिका में शीर्ष स्तर के क्रिकेट के आयोजन को लेकर हमारे समर्पण को रेखांकित करता है। वहीं एमएलसी के आयोजनकर्ताओं ने कहा कि अब हर शतक, अर्धशतक, रन आउट, विकेट, जीत-हार और चैम्पियनशिप को खेल के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रारूप में आंकड़ों के रूप में दर्ज किया जाएगा।

एमएलसी में न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज सहित दुनियाभर के क्रिकेटर खेलते हुए नजर आते हैं। इसका पहला सत्र वर्ष 2023 में खेला गया था, जिसमें छह टीमों- एमआई न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस नाइट राइडर, सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न, सिएटल ऑर्कास, टेक्सास सुपर किंग्स और वाशिंगटन फ्रीडम ने हिस्सा लिया था। इस लीग में 19 मैच खेले गए थे।

डीपी मनु ने ताइवान ओपन में जीता स्वर्ण पदक

ताइपे, भारत के अनुभवी खिलाड़ी डी पी मनु ने ताइवान में आयोजित ताइवान ओपन-2024 प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। मनु ने पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में 81.58 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मनु ने अपने पहले प्रयास में 78.32 मीटर का थ्रो किया, लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो छठवें प्रयास में आया। उन्होंने छठवें प्रयास में 81.58 मीटर का थ्रो किया। यह इस सत्र में मनु के सर्वश्रेष्ठ प्रयास 82.06 मीटर से भी कम है।

एलाइज कॉर्नेट ने टेनिस से लिया संन्यास

पेरिस, फ्रांस की शीर्ष महिला टेनिस खिलाड़ी एलाइज कॉर्नेट ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। कॉर्नेट ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद यह निर्णय लिया। 34 वर्षीय कॉर्नेट फ्रेंच ओपन में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। टूर्नामेंट के पहले दौर में कॉर्नेट को चीन की झेन क्विनवेन ने सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। कॉर्नेट के नाम लगातार 69 ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में भाग लेने का रिकॉर्ड दर्ज है।

निशांत, अमित और जैस्मीन ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

बैंकॉक, भारतीय मुक्केबाजों ने थाईलैंड में आयोजित ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर में दमदार प्रदर्शन किया है। भारतीय मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट में तीन ओलंपिक कोटा हासिल किया। प्रतियोगिता में निशांत देव, अमित पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया ने कोटा हासिल कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइ किया।

इस टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला कोटा निशांत देव ने जीता। निशांत ने टूर्नामेंट में पुरुषों के 71 किलोग्राम भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित किया। इस जीत के साथ ही निशांत पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज भी बने। इसके बाद स्टार मुक्केबाज अमित पंघाल ने भी पुरुषों के 51 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन के चुआंग ल्यू को हराकर ओलंपिक कोटा हासिल किया।

प्रतियोगिता में भारत की युवा महिला मुक्केबाज जैस्मीन लम्बोरिया ने महिलाओं की 57 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में माली की मैरिने कमारा को हराकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।

प्रगनानंदा ने विश्व शतरंज चैम्पियन डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंगर, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंदा ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर करते हुए चीन शतरंज और मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को हरा दिया। प्रगनानंदा ने टूर्नामेंट के सातवें दौर में लिरेन के खिलाफ जीत दर्ज की। चीनी खिलाड़ी ने मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंचकर कुछ गलतियां की, जिसका फायदा प्रगनानंदा ने उठाया। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहला मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन प्रगनानंदा आर्मेगेडोन (अंतिम मुकाबले) में लिरेन को हराने में सफल रहे। प्रगनानंदा ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में विश्व के नंबर वन खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को भी हरा चुके हैं।

यूएफा चैम्पियंस लीग

रियल मैड्रिड ने 15वीं बार जीता खिताब

लंदन, स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने एक बार फिर यूरोपियन फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम की है। रियल मैड्रिड ने जर्मन क्लब बोरूसिया डॉर्टमंड को हराकर यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब अपने नाम किया है। रियल मैड्रिड ने चैम्पियंस लीग के फाइनल में बोरूसिया डॉर्टमंड को 2-0 से शिकस्त दी।

लंदन में खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मैच की शुरुआत में दोनों ही टीमों ने रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए गोल करने के प्रयास किए। पहले हाफ में रियल मैड्रिड की टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन बोरूसिया की रक्षापंक्ति ने उन्हें गोल करने से रोके रखा। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक खेल दिखाया। रियल मैड्रिड ने बोरूसिया डॉर्टमंड के गोल पोस्ट पर लगातार हमले किए, इससे बोरूसिया के डिफेंडर दबाब में आ गए। मैच में 74वें मिनट में दानी कार्वाजल ने बोरूसिया की रक्षापंक्ति को भेदते हुए शानदार गोल किया। इसके बाद रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों ने गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण रखा। मैच के 83वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने एक शानदार गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना कर दिया। रियल मैड्रिड ने यह मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

- रियल मैड्रिड ने सबसे ज्यादा 15 बार जीती है यूएफा चैम्पियंस लीग।
- अब तक 22 क्लब जीत चुके हैं यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब।
- रियल मैड्रिड ने पिछले 10 वर्षों में पांचवीं बार यह टूर्नामेंट जीता है।

कोच एंसेलोटी का तीसरा खिताब

रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी का कोच के रूप में यह तीसरा चैम्पियंस लीग खिताब है। एंसेलोटी के अलावा पेप गुआर्डिओला, जिनेडिन जिदान और बॉब पेसले भी बतौर कोच तीन-तीन बार चैम्पियंस लीग खिताब जीत चुके हैं। इसके अलावा रियल मैड्रिड के खिलाड़ी टोनी क्रूस ने बतौर खिलाड़ी छठवीं बार चैम्पियंस लीग का खिताब जीता है।

सिंगापुर ओपन

चीन के शी युकी ने जीता खिताब

क्वालालंपुर, चीन के युवा शतरंज खिलाड़ी शी युकी ने सिंगापुर ओपन का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में युकी ने अपने हमवतन खिलाड़ी ली शिफेंग को रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-19, 21-19 से हराया।

इससे पहले शी युकी ने सेमीफाइनल में चोउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं ली शिफेंग को सेमीफाइनल में वॉक ओवर मिला। फाइनल के पहले गेम में ली शिफेंग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शी युकी को 21-17 से मात दी। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटेदार मुकाबला हुआ, जिसमें शी युकी ने 21-19 से जीत दर्ज की। तीसरे गेम में भी युकी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और 21-19 से गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया।

सिंगापुर ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब दक्षिण कोरिया ने आन से यंग ने जीता। यंग ने फाइनल में चीन की चेन युफेई को 21-19, 16-21, 21-12 से हराया। यंग ने लगातार दूसरी बार सिंगापुर ओपन जीता है। उन्होंने वर्ष 2023 में जापान की अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

टाटा मेमोरियल में पहली इंट्रा ऑपरेटिव इमेजिंग मशीन स्थापित

टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी), मुंबई के न्यूरो सर्जरी विभाग ने आंतरिक जटिल ब्रेन ट्यूमर सर्जरी करने के लिए एक अत्याधुनिक इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (आईयूएस) मशीन खरीदी है। डॉ. अली असगर मोइयादी के नेतृत्व में टाटा मेमोरियल सेंटर की न्यूरो सर्जरी टीम ने भारत में आईयूएस के अनुप्रयोग की शुरुआत की है और यह दुनिया भर में अग्रणी टीमों में से एक है। आईयूएस लागत-प्रभावी है और उचित प्रशिक्षण के साथ, न्यूरोसर्जन के चिकित्सा उपकरणों में एक महत्वपूर्ण सहायक बन सकता है। देश में इस उन्नत इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड मशीन की पहली स्थापना है। आंतरिक जटिल मस्तिष्क ट्यूमर को सुरक्षित और सटीक रूप से हटाने के लिए इंट्रा ऑपरेटिव इमेजिंग महत्वपूर्ण है। नेविगेशनल सहायता के साथ संयुक्त, आईयूएस मशीन न्यूरोसर्जन को ट्यूमर के अवशेषों को सटीक रूप से ट्रैक करने की अनुमति देती है।

रक्षा मंत्रालय ने चार बैंकों के साथ किया समझौता

रक्षा मंत्रालय के रक्षा लेखा विभाग ने देश में चार बैंकों की 1,128 शाखाओं में स्पर्श सेवा केंद्र के रूप में उन्हें शामिल करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। यह समझौता नई दिल्ली में बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ हुआ है। यह कदम पेंशन प्राप्त करने वाले लोगों को बाधा रहित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मुख्य रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में जहां उनके पास टच इन लॉग ऑन करने के लिए तकनीकी साधन नहीं हैं। ये सेवा केंद्र स्पर्श पेंशनभोगियों के लिए एक इंटरफेस बन जाएंगे, जो उनकी प्रोफाइल को अपडेट करने, शिकायत दर्ज करने, डिजिटल वार्षिक पहचान, डेटा सत्यापन के अलावा उनकी मासिक पेंशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक प्रभावी माध्यम प्रदान करेंगे। इन केंद्रों तक पहुंच मुफ्त प्रदान की जाएगी, जिसमें मामूली सेवा शुल्क डीएडी द्वारा वहन किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम के संशोधनों को मिली सहमति

77वें विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन में कोविड-19 के बाद सदस्य देशों द्वारा दिए गए 300 प्रस्तावों के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (आईएचआर 2005) में संशोधनों के पैकेज पर सहमति व्यक्त की गई। यह संशोधन सहमति वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंडे में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री अपूर्व चन्द्रा ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों के संशोधन के साथ एक अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने कहा कि यह समानता और एकजुटता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो भविष्य में महामारी के खतरों से दुनिया की रक्षा करने में मदद करेगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो गूगल से साभार)

लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न

भारत निर्वाचन आयोग की इच्छा है, अगली पीढ़ी के मतदाताओं की सहभागिता इस प्रक्रिया को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाये

18वीं लोकसभा चुनाव की संपन्नता के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया है। 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान शुरू होने के बाद 7 चरणों के साथ आम चुनाव 2024 के लिए मतदान संपन्न हो गया। देश के मतदाताओं ने 18वीं लोकसभा के गठन के लिए मतदान करने के अपने सबसे प्रिय अधिकार का इस्तेमाल किया है। भारतीय लोकतंत्र और भारतीय चुनावों ने फिर से जादू कर दिया है। मतदाताओं ने अपनी जाति, पंथ, धर्म, सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि से परे जाकर एक बार फिर यह कर दिखाया है। वास्तव में असली विजेता भारतीय मतदाता हैं। यह बात मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने निर्वाचन संपन्न होने के बाद कही। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग परिवार मतदाताओं के प्रति बहुत आभारी है जिन्होंने कई चुनौतियों और दुविधाओं को पार करते हुए मतदान केंद्र तक पहुंचने में सफलता पाई। निर्वाचन आयोग ने पूरी ईमानदारी से सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि भागीदारी के माध्यम से मतदाताओं ने भारतीय संविधान के संस्थापकों द्वारा व्यक्त विश्वास को पूरा किया है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की व्यापक भागीदारी भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और भावना की पुष्टि करती है।

समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाई दी

भारत निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा बलों सहित पूरी चुनाव मशीनरी के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आयोग सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों का भी आभार करता है जो भारतीय चुनावों के महत्वपूर्ण केन्द्र-बिन्दु हैं। उन्होंने कहा कि वोटों का महत्व, मुख्य रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो लोकतंत्र को और आगे ले जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग की इच्छा है कि भारत की अगली पीढ़ी के मतदाता इस भागीदारी को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मतदान के दौरान मतदाताओं, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, चुनाव कर्मियों और सुरक्षा बलों के सामूहिक प्रयासों ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया है, जो बहुत सम्मान और प्रशंसा के योग्य है।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2022 बैच के सहायक सचिवों को किया संबोधित

बदलाव के वाहक और शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं सिविल सेवक - उपराष्ट्रपति

सिविल सेवकों को हमेशा पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण से हटकर सोचना चाहिए। यह बात उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने एन्क्लेव में भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2022 बैच के सहायक सचिवों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्थाओं से अनुग्रहित नहीं हो सकते हैं। उन्होंने नये अधिकारियों से भारतीय नौकरशाही की क्षमता और योग्यता को स्वीकार करते हुए उपस्थित अधिकारियों से राष्ट्रवादी व संघवादी दृष्टिकोण अपनाने और राष्ट्र के हित को हमेशा सर्वोच्च रखने तथा कानून के शासन को बनाए रखने का आह्वान किया।

आप विकास के पथ प्रदर्शक हैं

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवा सहायक सचिवों को युवाओं के लिए प्रेरणा और प्रेरक शक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने सिविल सेवकों से उच्चतम नैतिक सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने कहा आप बदलाव के वाहक हैं, आप गुणवत्तापूर्ण शासन में महत्वपूर्ण हितधारक और त्वरित विकास के पथप्रदर्शक भी है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा पहले से कहीं अधिक प्रातिनिधिक है। इसमें सभी सामाजिक वर्गों, विशेष रूप से कमजोर, हाशिए के लोगों और वंचित पृष्ठभूमि का भी प्रतिनिधित्व दिखाई देता है।

युवाओं के लिए अवसर बढ़ रहे हैं

भारत के उल्लेखनीय आर्थिक बदलाव पर विचार करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत आशा और संभावनाओं से भरा हुआ है तथा निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य है। भारत में युवाओं के लिए अवसर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। भारत में डिजिटल क्रांति लाने का जो कार्य हुआ है वह प्रशंसनीय है। हमारी उपलब्धियों ने दुनिया को चौंका दिया है। विश्व संस्थाएं जो कभी हमें सलाह देती थीं वे अब अन्य देशों को भारत के रास्ते पर चलने की सलाह दे रही हैं। उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे कभी भी सीखना बंद न करें और अपने कौशल को अपडेट करते रहें।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने आईएनएस चिल्का का किया दौरा

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सेना के प्रमुख आरंभिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का का दौरा किया है। इस दौरान सीडीएस को भारतीय नौसेना के भविष्य के सामुद्रिक योद्धाओं को आकार देने में आईएनएस चिल्का द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान श्री चौहान ने अग्निवीर प्रशिक्षणों का अवलोकन और चिल्का में अब तक प्रशिक्षित हुए बैचों का विश्लेषण भी किया। इस अवसर पर सीडीएस ने अग्निवीरों को संबोधित करते हुए अग्निपथ योजना की जानकारी दी। उन्होंने अग्निवीरों को प्रौद्योगिकी के रूप से एक कुशल सामुद्रिक योद्धा बनने के लिए प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

फिलीपींस में ज्वालामुखी फटने से स्कूल-कॉलेज हुए बंद, 32 विमान सेवाएं भी हुईं प्रभावित

फिलीपींस के माउंट कनलाओं में ज्वालामुखी विस्फोट हो गया। ज्वालामुखी नेग्रोस आइलैंड पर है। विस्फोट के बाद आसमान में पांच किलोमीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। वहां अभी भी लगातार ज्वालामुखी का मलबा और गर्म राख निकल रही है। सुरक्षा अधिकारियों ने लोगों को वहां से निकालना शुरू कर दिया है। नेग्रोस के गवर्नर जोस लैक्स के मुताबिक लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से हटाकर ऑक्सिडेंटल प्रांत ले जाया जा रहा है, जहां अब तक 700 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। फिलीपींस की सरकार ने लोगों से ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में जाने से मना किया है। सरकार ने इलाके में सल्फ्यूरिक गैस फैलने की चेतावनी जारी की है। सल्फ्यूरिक गैस से स्किन एलर्जी और सांस लेने में परेशानी होती है। विस्फोट के बाद नदियों में अचानक बाढ़ आई। इसकी वजह से कई इलाकों में सड़कों पर बाढ़ का पानी और कीचड़ भर गया। ज्वालामुखी में लगातार छोटे-छोटे विस्फोट हो रहे हैं। 24 घंटे रेस्क्यू टीमें तैनात हैं।

राष्ट्रपति बाइडेन का आदेश अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर प्रवासियों को नहीं मिलेगी शरण

अमेरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर शरण मांगने वाले प्रवासियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में नवंबर में चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में सीमा सुरक्षा समझौते के विफल होने के बाद डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति कई महीनों से इस पर विचार कर रहे हैं। दरअसल कई सारे रिपब्लिकन सांसदों ने संभावित रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। लेकिन अब राष्ट्रपति बाइडेन का यह आदेश दक्षिणी सीमा पर अतिक्रमण, प्रवासियों की शरण पर रोक लगाएगा।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह आदेश तब लागू होगा जब प्रवेश में बंदरगाहों के बीच सीमा मुठभेड़ की संख्या प्रतिदिन 2500 हो जाएगी। वर्तमान में यह अधिक है ऐसे में यह आदेश तुरंत लागू किया जाएगा। यह प्रतिबंध तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि प्रतिदिन बंदरगाहों के बीच मुठभेड़ की संख्या 1500 या उससे कम न हो जाए।

शैक्षणिक संस्थानों के अध्यापकों को अच्छी पुस्तकें लिखने के लिए आमंत्रित करे न्यास

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग ने नई दिल्ली में डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के लिए एक संस्थागत ढांचा बनाने को लेकर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में किया गया है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री के. संजय मूर्ति, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी उपस्थित थीं। इस अवसर पर श्री के. संजय मूर्ति ने बच्चों के जीवन में गैर-शैक्षणिक पुस्तकों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि इस समझौते के बाद उन्हें भविष्य में अपनी पढ़ाई का विषय चुनने में मदद मिलेगी। उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से आग्रह किया कि वह शैक्षणिक संस्थानों के अध्यापकों को अच्छी पुस्तकें लिखने के लिए आमंत्रित करें जिन्हें राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय में शामिल किया जा सके। श्री संजय कुमार ने पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

एनरिचमेंट कमेटी की होगी भूमिका

श्री संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय से कई राज्यों में पुस्तकालय की कमी की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कंटेंट एनरिचमेंट कमेटी की भूमिका पर भी जोर दिया जो राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के प्लेटफॉर्म में शामिल की जाने वाली पुस्तकों पर निर्णय लेगी।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।